www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
27 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 141 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

अब गूगल अंतरिक्ष में बनाएगा 'एआई' डाटा सेंटर

● धरती पर घट जाएगी बिजली और पानी की खपत ● 2027 में होगी टेस्टिंग, चुनौतियों को परखेगी कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई की बढ़ती कंप्यूटिंग जरूरतों के बीच गूगल अब डाटा सेंटर को पृथ्वी से बाहर ले जाने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी कंपनी अपने प्रोजेक्ट सनकैचर के तहत अंतरिक्ष की कक्षा में एआई कंप्यूटिंग की संभावनाओं का परीक्षण करेगी। इसके लिए अंतरिक्ष में परिक्रमा कर रहे उपग्रहों में गूगल के ट्रिलियम टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट (टीपीयू) लगाए जाएंगे। कंपनी अगले माह पहला आर्बिटल टेस्ट करने जा रही है। स्पेसएक्स के रॉकेट के जरिये एक अक्टूबर को प्रोटोटाइप उपग्रह लांच किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि अंतरिक्ष में एआई चलेगा या नहीं।

रेडिएशन से लेकर गर्मी तक चुनौती

अंतरिक्ष में एआई चिप्स के संचालन के सामने रेडिएशन और तापमान बड़ी चुनौती हैं। गूगल के अनुसार, उसकी चिप्स के वाइब्रेशन टेस्ट और रेडिएशन एक्सपोजर प्रयोग कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस की क्राकर न्यूक्लियर लैबोरेटरी में किए गए। शुरुआती परीक्षणों में ट्रिलियम टीपीयू के अगले पांच साल के रेडिएशन प्रभाव झेलने में सक्षम होने के संकेत मिले हैं।

पहला परीक्षण उपग्रह के साथ

गूगल ने पिछले साल प्रोजेक्ट सनकैचर की घोषणा की थी। शुरुआती मिशन उपग्रह कंपनी प्लैनेट के साथ साझेदारी में तैयार किया गया है। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिये कक्षा में पहुंचाया जाएगा। परीक्षण के दौरान ट्रिलियम टीपीयू को रेडिएशन, अत्यधिक तापमान, कंपन व अंतरिक्ष उड़ान के दौरान पड़ने वाले दबाव जैसे हालात में परखा जाएगा। कंपनी का दीर्घकालिक लक्ष्य एआई कंप्यूटिंग हार्डवेयर वाले कई उपग्रहों को आपस में जोड़कर ऐसा आर्बिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है।

कार-बाइक भिड़ंत में घायल युवक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : श्रीनगर-पौड़ी-कोटद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिला मुख्यालय में संत निरंकारी सत्संग भवन के समीप बीते शुक्रवार शाम एक कार-बाइक की भिड़ंत हुई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर घायल हो गया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। देहरादून पहुंचने पर महंत इंद्रेश अस्पताल प्रशासन ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

जिला मुख्यालय के ग्राम पंचायत बैंग्वाड़ी निवासी 22 वर्षीय नारायण सिंह (ऋषभ) बीते शुक्रवार शाम बाइक में पौड़ी से गांव जा रहा था। पौड़ी-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर संत निरंकारी सत्संग भवन के समीप में श्रीनगर से आ रही कार से टक्कर हो गई। लोगों ने घायल युवक को निजी वाहन से जिला अस्पताल में पहुंचाया जहां से उसे रेफर किया गया। परिजन उसे निजी एंबुलेंस से महंत इंद्रेश अस्पताल देहरादून ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूर्व ग्राम प्रधान बैंग्वाड़ी मधु खुगशाल ने बताया कि नारायण सिंह परिवार का इकलौता बेटा था। उनके पिता आनंद सिंह सर्वे ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्त हैं। बताया कि जहां हादसा हुआ, वह झाड़ियों से ब्लैक स्पॉट बन चुका है। उन्होंने जिला प्रशासन व एनएच से झाड़ी कटान व ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधारीकरण की मांग की है।

एमपी के बाद नागालैंड में जहरीली शराब का आतंक

दो दिन में 19 लोगों की मौत, अभी तक 19 गिरफ्तार

छापेमारी में 3000 बोतलें जब्त, 26 साल से बैन है

कोहिमा (एजेंसी)। एमपी के बाद अब नॉर्थ-ईस्ट के राज्य नागलैंड में नकली जहरीली शराब पीने से पिछले दो दिनों में 19 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिलावटी शराब से मोकोकचुंग जिले में आठ और तुएनसांग में 11 लोगों की मौत की सूचना है। अभी यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। पुलिस ने इन मौतों की जांच करने और राज्य में संदिग्ध मिलावटी शराब की सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए एसआईटी का गठन किया है। राज्य में 1990 से शराबबंदी कानून लागू है। जिला प्रशासन ने सभी लोगों से न पीने की अपील की है।

नागालैंड में शराब पीने, रखने और बेचने पर प्रतिबंध

बता दें कि पूर्वोत्तर के राज्य नागालैंड में 1989 में शराब पूर्ण निषेध अधिनियम पारित किया, जो 1990 में लागू हुआ। नागालैंड बैपटिस्ट चर्च काउंसिल और नागा मदर्स एसोसिएशन समेत कई धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों मांग पर राज्य में शराब बनाने, पीने, रखने और बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। एसएसपी वेसुप्रा केजो ने शनिवार को कहा कि राज्य के दो जिलों मोकोकचुंग और तुएनसांग में शराब से हुई मौतों की जांच की जा रही है। संदिग्ध मिलावटी शराब के सोर्स और सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए एएसपी आई. बुंगलांग चांग की अगुवाई में एसआईटी बनाई गई है। पुलिस ने मौतों की वजह का पता लगाने के लिए सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी भेजे हैं।

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला

ममता की रैली में जाते समय अंडे फेंके, शीशा तोड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में टीएमसी विधायक कुणाल घोष का आरोप है कि उनकी कार पर शनिवार को हमला किया गया। घोष ने कहा- वे शनिवार को श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान उत्तरपाड़ा में भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों तरफ से

घेर लिया और अंडे फेंके। वीडियो में कुणाल घोष ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। पीछे की सीट पर भी कुछ लोग बैठे थे, जो घटना का वीडियो बना रहे थे। वीडियो में भीड़ को गाड़ी के चारों तरफ देखा जा सकता है। इस दौरान पीछे के कांच पर भी हमला किया गया, जिससे वह टूट गया। भीड़ ने 'गो बैक' के नारे भी लगाए। घटना का वीडियो विधायक के ऑफिस की तरफ से एक्स पर पोस्ट किया गया है। पिछले 4 महीने के दौरान कुणाल घोष पर हमले का यह तीसरा मामला है।

जोधपुर में दुनिया के शक्तिशाली लड़ाकू विमानों का डेरा

युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' शुरू, आसमान में खेला

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर के आसमान में दुनिया के खतरनाक लड़ाकू विमानों उड़ान भरेंगे। युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' शनिवार से शुरू हो गया। 12 अक्टूबर तक जोधपुर एयरबेस पर चलने वाले युद्धाभ्यास में भारत समेत 8 देशों की वायु सेनाओं के जवान हिस्सा ले रहे हैं। इस एक्सरसाइज में शामिल होने के लिए 32 ऑब्जर्वर और लगभग 100 एयरक्राफ्ट यहां पहुंचे हैं। इसमें 3,000 से ज्यादा एयर वॉरियर्स भाग ले रहे हैं। खास तौर से राफेल, तेजस, सुखोई 30 एमकेआई, पांचवीं पीढ़ी का एफ 35, एफ 16 और हवा में ईंधन भरने वाले एयरक्राफ्ट

(एयर-टू-एयर रिफ्यूलर) जैसे कई विमान एक साथ ऑपरेशनल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिली लर्निंग का अभ्यास करेगी। इस इंटरनेशनल एक्सरसाइज में जोधपुर सहित वेस्टर्न बॉर्डर के 4-5 एयरबेस शामिल होंगे। यहां से ये विमान अपनी टास्क के अनुसार ऑन एयर होकर टारगेट को तबाह करेंगे। फ्रांस ने कहा तरंग शक्ति हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

कबड्डी में महिला-पुरुषों का कमाल

● भारत को एक दिन में दिलाए डबल गोल्ड ● एशियन गेम्स में महिला और पुरुष दोनों टीमें बनी चैंपियन

नागोया (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में शनिवार को दूसरा गोल्ड जीत लिया है। मेंस कबड्डी टीम ने फाइनल में ईरान को 40-34 से हराकर 10वीं बार एशियाड में मेडल अपने नाम किया। इससे पहले महिला कबड्डी टीम ने भी ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता था। 7वें दिन भारत को अब तक 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज समेत 5 मेडल मिल चुके हैं। शनिवार को स्क्वॉश में पहली बार भारत के दो

खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं। 18 साल की अनाहत सिंह विमेंस सिंगल्स और अभय सिंह ने मेंस सिंगल्स के फाइनल में जगह बनाई। एशियन गेम्स 2026 में भारत की कबड्डी टीम ने गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल मैच में भारतीय टीम ने ईरान को 40-34 के स्कोर से मात दी। यह मुकाबला शुरुआत से ही कांटे का रहा।

दूसरे हॉफ में किया कमाल

पहले हॉफ में 17-18 के स्कोर से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने दूसरे हॉफ में लय पकड़ी। भारत ने लगातार अंक बटोरे और ईरान पर बड़ी बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद ईरान ने वापसी की भरपूर कोशिश की, लेकिन भारत को चुनौती नहीं दे सका। भारत ने दूसरे हॉफ में रेड के जरिए 18 अंक बटोरे। वहीं, ईरान को ऑल आउट कर 2 अंक हासिल किए। जबकि पहले हॉफ में जापान ने भारत को ऑल आउट कर 2 प्वाइंट बटोरे थे।

'84 का हूं, पर बूढ़ा नहीं', बीजेपी पर बरसे कैप्टन

● अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी की शुरू हुई चर्चा ● एएपी ने बोला हमला, पूर्व सीएम को बताया मौकापरस्त

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने राज्य से जुड़े मामलों में सलाह न लिए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पंजाब की राजनीति में दशकों का अनुभव रखने वाले उनसे और दूसरे नेताओं से उनकी राय नहीं पूछी गई। अमरिंदर सिंह ने कहा, मैंने पंजाब की राजनीति में 60 साल बिताए हैं। मैं अकेला नहीं हूं। मेरे साथ और भी साथी हैं। हमने इतने सालों में पंजाब के हालात देखे हैं, लेकिन एक समय ऐसा आया जब उन्होंने हमसे पूछा तक नहीं। अमरिंदर सिंह ने कहा कि हम यहीं के रहने वाले हैं और उन्हें अपनी राय और भावनाएं बताना मेरा फर्ज है। हालांकि, अमरिंदर सिंह ने कहा कि उनकी बातों का यह मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए कि वह बीजेपी छोड़ रहे हैं या कांग्रेस में वापस जा रहे हैं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार का जिक्र- अमरिंदर सिंह ने कहा कि मैंने यह नहीं कहा कि कांग्रेस या बीजेपी में मेरी अहमियत अब नहीं रही। पार्टियां बदलती रहती हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं कांग्रेस में था, तब ऑपरेशन ब्लू स्टार की वजह से अकाली

दल में भी गया था और बाद में कांग्रेस में लौट आया था। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अब पार्टी छोड़कर किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो जाऊंगा।

उनकी ये बातें पंजाब में उनकी राजनीतिक अहमियत और बीजेपी के साथ उनके रिश्तों पर उठ रहे सवालों के बीच आई हैं। कांग्रेस छोड़ने और अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस बनाने के बाद से अमरिंदर सिंह बीजेपी के साथ रहे हैं।

बीजेपी से नाराजगी के सवाल पर दिया यह जवाब

अमरिंदर सिंह से जब पूछा गया कि वह भाजपा से नाराज क्यों हैं, तो उन्होंने कहा, 'मैंने पंजाब की राजनीति में 60 वर्ष बिताए हैं। कुछ लोग हमारे बाद आए हैं और उन्हें यहां आए हुए अभी एक साल भी नहीं हुआ है.... हमने इन सभी वर्षों में पंजाब की स्थिति देखी है, लेकिन उन्होंने हमसे पूछा तक नहीं। यह मेरा कर्तव्य है कि मैं उन्हें अपने विचार और अपनी भावनाएं बताऊं। अमरिंदर सिंह ने जोर देकर कहा, 'लेकिन भाजपा नेताओं को अपने विचार और अपनी भावनाएं बताना मेरा कर्तव्य है।'

देवेंद्र फडणवीस ने किसान मजदूरों के लिए किए कई ऐलान

बीड, धराशिव समेत 75 फीसदी महाराष्ट्र सूखा घोषित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में ट्रिगर-1 के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्सपावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल-कॉलेज के छात्रों

की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर अधिक से अधिक काम शुरू किए जाएंगे।

खेती मजदूरों को मिलेगा अनाज

सीएम ने कहा कि जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं।

राज्यसभा चुनाव की हलचल के बीच दिल्ली में सीएम योगी

पीएम मोदी से मिले योगी, एक घंटे चली बैठक

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने नई दिल्ली पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बैठक चली। बताया जा रहा है कि इस बैठक में उत्तर प्रदेश से जुड़े कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और राज्यसभा चुनाव प्रमुख हैं। यूपी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के बीच एक

घंटे तक चली बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई है, पता नहीं चला है।

बांग्लादेश को जल्द मालूम पड़ गया आटे-दाल का भाव

● तारिक रहमान ने ट्रेन से मंगवाया 2 लाख टन भारतीय गेहूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश को आटे-दाल का भाव जल्द ही मालूम चल गया है। नई दिल्ली से सीधे मुंह बात नहीं करने वाले बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार ने 2022 के बाद अब पहली बार भारत से गेहूं का आयात फिर से शुरू कर दिया है। बांग्लादेश अब भारत से 2 लाख टन गेहूं मंगवा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बांग्लादेश में गेहूं के आटे की कीमतें बढ़ गई हैं। पिछले एक महीने में इनमें 17 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, देश में चावल की कीमतें अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं, जिससे

ज्यादा बांग्लादेशी लोग गेहूं की ओर रुख कर रहे हैं और गेहूं की मांग बढ़ रही है। भारतीय गेहूं खरीदने वाला बांग्लादेश एकमात्र देश नहीं है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, श्रीलंकाई आयातकों ने भी हाल ही में भारत से शिपिंग से पहले लगभग 325 प्रति टन की कीमत पर लगभग 60,000 टन गेहूं खरीदा है।

भारत से बरसों से जाता रहा बांग्लादेश को गेहूं- ऐतिहासिक रूप से भारत बांग्लादेश को गेहूं की आपूर्ति करने वाला एक प्रमुख देश रहा है, और कुछ वर्षों में तो बांग्लादेश के कुल गेहूं आयात में भारत की हिस्सेदारी आधे से भी ज्यादा रही है। द डेली स्टार की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत ने 2020-21 में बांग्लादेश को 11,57,399.35 टन गेहूं का निर्यात किया था, जिसकी कीमत 299.4 मिलियन थी।

चार साल में पहली बार भारत से गेहूं मंगाएगा बांग्लादेश

अमेरिका के न्यूज़ आउटलेट ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेशी व्यापारियों ने 2,00,000 टन से ज्यादा भारतीय गेहूं 306 से 326 प्रति टन की कीमत पर बुक किया है और ये खेप रेल से आएगी। यह चार साल से ज्यादा समय में ढाका द्वारा भारत से किया गया इस तरह का पहला आयात है। चावल बांग्लादेश का मुख्य अनाज है, लेकिन गेहूं भी देश में दूसरा सबसे ज्यादा खाया जाने वाला अनाज है। ढाका के द डेली स्टार के अनुसार, बांग्लादेश हर साल लगभग दस लाख टन गेहूं का उत्पादन करता है, लेकिन घरेलू मांग को पूरा करने के लिए उसे अतिरिक्त 70 लाख टन गेहूं आयात करने की जरूरत होती है।

विश्व जनमत की स्वीकृति

भारत के अभिन्न अंगों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए, इस रुख से देश को आश्वस्त करने के बाद सरकार को यह बताना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया? सोलहवीं सदी से इस्तेमाल हो रहे मर्केटर मानचित्र को बदलने के प्रस्ताव का संयुक्त राष्ट्र में समर्थन कर भारत ने उचित रुख अपनाया। पुराना नक्शा जाहिरा तौर पर औपनिवेशिक नजरिए से तैयार किया गया था, जिसे बदलना विश्व बहुमत की जीत समझा जाएगा। यह बात संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान में भी जाहिर हुई, जहां सिर्फ अमेरिका ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। आम तौर पर उसके पीछे चलने वाले छह देशों ने तटस्थ रुख अपनाया, जबकि भारत सहित 164 देशों ने मानचित्र बदलने का समर्थन किया। अतः बाद में जो हुआ, उसे नए नक्शे के समर्थन के भारत सरकार के फैसले से जोड़ कर नही देखा जाना चाहिए। यह बेशक गहरे अफसोस की बात है कि बाद में संयुक्त राष्ट्र ने जो विश्व मानचित्र जारी किया, उसमें भारत की प्रादेशिक अखंडता का ख्याल नही रखा गया। इसमें जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान और चीन के साथ विवादित हिस्से के रूप में दिखाया गया है। उचित ही भारत सरकार ने उस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उसने स्पष्ट कहा है कि ऐसा कोई भी चित्रण, जो आधिकारिक भारतीय नक्शे से मेल नहीं खाता, वह पूर्णतः अमान्य और अस्वीकार्य है। भारतीय विदेश मंत्रालय दो–टूक कहा है कि भारत की प्रादेशिक अखंडता और संप्रभुता पर कोई बातचीत नही हो सकती। भारत के अभिन्न अंगों को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। बहरहाल, इस रुख से देश को आश्वस्त करने के बाद भारत सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया? भारत के जिन इलाकों पर पाकिस्तान और चीन की निगाहें रही हैं,

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे।

चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्त्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता कठघरे में

विनोद कुमार उपाध्याय

लोकतंत्र में चुनाव केवल मतदान की प्रक्रिया नहीं है। यह उस भरोसे का नाम है, जिसके आधार पर एक नागरिक यह मानता है कि उसका वोट सुरक्षित है, मतदाता सूची में उसका नाम निष्पक्ष तरीके से दर्ज है और चुनाव कराने वाली संस्था किसी दबाव, पक्षपात या मनमानेपन से मुक्त होकर काम कर रही है। इसलिए निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर उठने वाला हर सवाल महज राजनीतिक विवाद नहीं होता। वह लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। हाल में निर्वाचन आयोग के भीतर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी के बीच कथित मतभेदों को लेकर सामने आई रिपोर्टों ने इसी कारण असामान्य चिंता पैदा की है। इंडियन एक्सप्रेस की जांच रिपोर्ट के मुताबिक दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने पिछले दस महीनों में आयोग के कामकाज से जुड़े मुद्दों पर कम से कम 14 बार औपचारिक आपत्तियां दर्ज कीं। इनमें नए मतदाताओं के पंजीयन, मतदाता सूची से नाम हटाने, चुनावी डेटा तक पहुंच और आईटी व्यवस्था जैसे गंभीर विषय शामिल बताए गए हैं। आयोग ने दूसरी ओर इन मतभेदों की व्याख्या अलग तरीके से की है और कहा है कि आयोग के फैसले सर्वसम्मति से हुए तथा ऐसी टिप्पणियां विचार-विमर्श की प्रक्रिया का हिस्सा थीं। यही वह बिंदु है जहां से असली सवाल पैदा होता है–यदि सब कुछ सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है तो फिर उन आपत्तियों, उनके जवाब और अंतिम निर्णय की प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से स्पष्ट क्यों न हो? यहां किसी रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को अंतिम सत्य मान लेना उचित नहीं होगा। लेकिन उन्हें केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी पर्याप्त नहीं है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता का सबसे मजबूत आधार यही है कि वह कठिन सवालों का सामना तथ्यों और दस्तावेजों के साथ करें।

सबसे गंभीर प्रश्न मतदाता सूची से जुड़ा है। चुनाव में उम्मीदवार हार-जीत सकता है, राजनीतिक दल सत्ता में आ-जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची में किसी योग्य नागरिक का नाम न होना सीधे उसके संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दो निर्वाचन आयुक्तों ने मतदाता पंजीयन के फॉर्म-6 में किए गए बदलाव पर आपत्ति दर्ज की थी। उनका तर्क था कि वैधानिक प्रावधानों से जुड़े फॉर्म में बदलाव के लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन जरूरी है। यह विवाद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि तकनीक और डिजिटल व्यवस्था अब चुनावी प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। मतदाता सूची का डिजिटल प्रबंधन सुविधा बढ़ा सकता है, लेकिन इसके साथ जवाबदेही भी उतनी ही बढ ?ी चाहिए। यदि किसी स्तर पर सॉफ्टवेयर किसी अधिकारी के निर्णय को स्वीकार नहीं करता, किसी योग्य मतदाता का नाम अटक जाता है या केंद्रीय स्तर की तकनीकी व्यवस्था स्थानीय स्तर पर लिए गए वैधानिक निर्णय को प्रभावित करती है, तो उसके लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। रिपोर्ट में गोवा के 97 मतदाताओं से जुड़ा ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें स्थानीय स्तर पर पात्रता स्वीकार किए जाने के बावजूद सॉफ्टवेयर संबंधी समस्या का उल्लेख किया गया। यही वजह है कि चुनावी प्रक्रिया में तकनीकी गलती जैसे शब्द भी हल्के में नहीं लिए जा सकते। बैंकिंग व्यवस्था में गलत खाते में पैसा चला जाए तो उसे तकनीकी त्रुटि कहा जा सकता है और सुधार की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। लेकिन चुनाव में किसी योग्य नागरिक का वोट देने का अवसर निकल जाए तो वह गलती अगले चुनाव तक सुधरने की प्रतीक्षा नहीं कर सकती। चुनावी अधिकार समयबद्ध होता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर भी यही कसौटी लागू होनी चाहिए। मतदाता सूची को साफ-सुथरा और अद्यतन रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। मृत, स्थानांतरित, दोहराए गए या अपात्र नाम हटाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करता है। लेकिन वैध मतदाता का नाम हटने की आशंका भी उतनी ही गंभीर है। पश्चिम बंगाल के मामले में आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि एसआईआर के दौरान हटाए गए 27.16 लाख नामों में से 22 लाख से अधिक मतदाताओं ने बहाली के लिए अपील की। इस आंकड़े का अर्थ यह नहीं कि हर हटाया गया नाम सही था या हर अपील स्वीकार की जानी चाहिए। इसका सीधा अर्थ केवल इतना है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के साथ एक मजबूत, आसान और समयबद्ध अपील व्यवस्था भी अनिवार्य है। नागरिक को यह पता होना चाहिए कि उसका नाम क्यों हटाया गया, निर्णय किस अधिकारी ने लिया, उसके पास कौन-से दस्तावेज होने चाहिए और उसकी शिकायत का अंतिम निपटारा कब तक होगा।

निर्वाचन आयोग के भीतर मतभेद का मुद्दा भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। तीन सदस्यीय आयोग में असहमति अपने आप में लोकतंत्र विरोधी बात नहीं है। बल्कि किसी भी संस्थागत व्यवस्था में असहमति स्वस्थ विचार-विमर्श का हिस्सा हो सकती है। कानून भी मतभेद की स्थिति में बहुमत से निर्णय की व्यवस्था करता है। 2023 के कानून की धारा 18 के अनुसार आयोग का काम जहां तक संभव हो सर्वसम्मति से होना चाहिए और मतभेद होने पर बहुमत का निर्णय लागू होता है। समस्या असहमति नहीं, बल्कि यह संदेह है कि क्या सभी सदस्यों को निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त जानकारी और अवसर मिल रहा है। यदि दो आयुक्त यह लिखित रूप से दर्ज कराते हैं कि कुछ फैसले उनकी जानकारी या स्वीकृति के बिना आयोग के नाम से जारी हुए, तो संस्था के लिए सबसे बेहतर रास्ता यही है कि वह रिकॉर्ड सामने रखे और प्रक्रिया स्पष्ट करे। इससे न केवल आरोपों का जवाब मिलेगा, बल्कि आयोग की अपनी प्रतिष्ठा भी मजबूत होगी। यह भी याद रखना चाहिए कि निर्वाचन आयोग कोई सामान्य सरकारी विभाग नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 ने उसे चुनाव प्रक्रिया की निगरानी, निर्देशन और नियंत्रण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। इसलिए उसकी विश्वसनीयता किसी एक सरकार, दल या चुनाव से बड़ी है। आज सत्ता पक्ष को आयोग पर भरोसा हो और कल विपक्ष को-ऐसी संस्थागत विश्वसनीयता ही उसकी असली पूंजी है।

राजनीतिक दलों के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। चुनाव आयोग पर आरोप लगाना आसान है, लेकिन हर आरोप को प्रमाण, दस्तावेज और तथ्य के साथ सामने रखना जरूरी है। दूसरी ओर आयोग के लिए भी केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि आरोप निराधार हैं। जनता को यह समझाना होगा कि प्रक्रिया क्या थी, निर्णय कैसे हुआ और आपत्तियों का निपटारा किस तरीके से किया गया। विश्वास मांगने से नहीं बनता, प्रक्रिया से बनता है। पारदर्शिता उसका सबसे मजबूत आधार है। इसलिए इस पूरे विवाद का रास्ता राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि संस्थागत स्पष्टता से निकलेगा। आयोग को महत्वपूर्ण निर्णयों, आंतरिक आपत्तियों और उनके निपटारे की प्रक्रिया के बारे में जितना कानून अनुमति देता है, उतनी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। मतदाता सूची से जुड़े मामलों में ऑडिट ट्रेल, जिम्मेदारी और अपील की व्यवस्था और स्पष्ट होनी चाहिए। तकनीकी प्रणालियों की स्वतंत्र सुरक्षा और प्रक्रिया संबंधी समीक्षा भी समय-समय पर होनी चाहिए। आखिर सवाल किसी एक व्यक्ति की प्रतिष्ठा का नहीं है। सवाल उस नागरिक के भरोसे का है, जो मतदान केंद्र पर पहुंचकर यह उम्मीद करता है कि लोकतंत्र की पूरी मशीनरी उसके एक वोट को ईमानदारी से दर्ज करेगी। निर्वाचन आयोग के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती आलोचना से बचना नहीं, बल्कि आलोचना के बीच अपनी संस्थागत विश्वसनीयता को और मजबूत करना है। अगर आरोप गलत हैं तो तथ्यों से गलत साबित किए जाएं।

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व आर्थिक मंच डब्ब्लूईएफ द्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी ही है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रौचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हांलाकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलार्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों पर बढ़-चढ़ कर कितनी भी की जाएं परिणाम अभी तक अधिक सकारात्मक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवश्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराश होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लैंगिक गैप में लगातार सुधार देखा जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार देखा जा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्ब्लूईएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरू किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रेंक 131 वीं है। हांलाकि बीस सालों में रेंक में सुधार हुआ है। संस्था द्वारा जेंडर लैंगिक स्थिति का अध्ययन के लिए चार मानक बनाए हुए हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सरवाइवल, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं भागीदारी और राजनीति सशक्तिकरण चार ऐसे क्षेत्र है जिनके माध्यम से दुनिया के देशों में महिलाओं की वैश्विक स्थिति का अध्ययन किया जाता है। जहां तक भारत की बात है देखा जाएं तो जेंडर लैंगिक गैप की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल के क्षेत्र में भारत में स्थिति बेहतर है। शिक्षा के क्षेत्र में यह 96.6 प्रतिशत और स्वास्थ्य और उत्तरजीवितता में 95.6 प्रतिशत का आंकड़ा है। इसे निश्चित रुप से सकारात्मक माना जाता है। इसका साफ साफ अर्थ यह हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल क्षेत्र में लैंगिक गैप में सकारात्मकता है और महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को लगभग पाट सा दिया है। जहां तक महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र में भागीदारी की बात है तो इसमें समग्र रुप से 41.2 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। यानी अभी भी लैंगिक गैप का अंतर 50 फीसदी से भी अधिक बना हुआ है। हांलाकि आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में लगातार सुधार देखा जा रहा है। कुल कामकाजी महिलाओं की हिस्सेदारी 39.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 फीसदी हो गई है। आर्थिक मोर्चे पर लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है पर जिस तेजी से बढ़ोतरी होनी चाहिए थी या जिस तरह से लैंगिक गैप कम होना चाहिए था वह अभी नहीं हो पाया है। तस्वीर का सबसे निराशाजनक पहलू राजनीतिक भागीदारी को लेकर हैं। खासतौर से मंत्रीमण्डल में तो महिलाओं की हिस्सेदारी में बहुत अधिक कमी देखने को मिल रही है। यह सब तो तब है जब सरकार राजनीति में महिला आरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने की पक्षधर है। एक बात जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह कि पिछले कुछ सालों के चुनावों पर नजर ड़ाली जाएं चाहे वे विधानसभाओं के हो या लोकसभा के सभी में मतदान से लेकर सरकार बनवाने में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। कम से कम आंकड़े तो यही कह रहे हैं। हांलाकि फ्री बीज जैसी लुभावनी योजनाओं में महिलाओं को अपने पक्ष में करने के वादे सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में देखने को मिल जाएगा।

संतोष की बात यह है कि 145 देशों की समग्र ग्लोबल जेंडर गैप 2026 का जेंडर गैप पेरिटी स्कोर 69.2 प्रतिशत है जबकि भारत की 131 वीं रेंक होने के बावजूद इस रिपोर्ट में भारत का ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप पेरिटी स्कोर 64.5 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट के समग्र अध्ययन से यह साफ हो जाता है कि भारत के सामने सबसे अधिक चुनौती राजनीतिक स्तर पर गैप को कम करना है तो आर्थिक मोर्चे पर भी अभी बहुत कुछ किया जाना जरुरी हो गया है। देश में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं जैसे अभियानों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पंचायतों, निकाओं आदि में महिलाओं के आरक्षण से राजनीति में जो भागीदारी देखी जा रही है वह संभव हो पाई हैं। निर्णय के स्तर पर भी महिलाएं अधिक स्वतंत्र हुई है और चुनाव नतीजे इस बात को पुष्ट भी करते हैं। अब महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग स्वविवेक से करने लगी है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में 93 प्रतिशत के स्कोर के साथ आइसलैंड भले ही शीर्ष पर हो पर दुनिया के अधिकांश इस दौड़ में अभी बहुत पीछे हैं। शत-प्रतिशत स्कोर की तो अभी कल्पना करना बेमानी ही होगा। पर सकारात्मक पक्ष यह है कि लैंगिक गैप में अब काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य का क्षेत्र इसका बड़ा उदाहरण है। आर्थिक मोर्चों पर भी महिलाओं की भागीदारी भले ही कम हो पर शीर्ष स्तर पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी देखी जा सकती है। इसलिए चुनौती अवश्य है पर हालात सकारात्मकता की और संकेत कर रहे हैं।

भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण साधन है पर्यटन उद्योग

विश्व पर्यटन दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व पर्यटन दिवस मानाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें विश्व भर में आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, सामाजिक विचार भी शामिल हैं।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विहीन उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

विश्व पर्यटन दिवस मानाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें विश्व भर में आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, सामाजिक विचार भी शामिल हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। हर साल विश्व पर्यटन दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2026 का आधिकारिक विषय (थीम) संयुक्त राष्ट्र पर्यटन के अनुसार पर्यटन क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन को अपनाना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आधुनिक तकनीक और नवाचार मिलकर पर्यटन के भविष्य को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सुलभ बना रहे हैं।

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की

नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। रिपोर्ट में वैश्विक यात्रा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डाला गया है और अनुमान है कि अगले दशक में यह चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा जो बुनियादी ढाँचे, विपणन और सेवा वितरण में मजबूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दशार्ता है। यह बढ़ता रुझान एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भारत की क्षमता को रेखांकित करता है और आर्थिक विस्तार एवं रोजगार को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कोलंबिया (+29.1%), और मिस्र (+22.9%) शामिल हैं।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है।

अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड, पेरिस, थाईलैंड, हॉन्गकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है।

आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोटद्वार महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव का मुकाबला त्रिकोणीय

नाम वापसी के बाद प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी, कोषाध्यक्ष पद पर मीनाक्षी निर्विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में छात्रसंघ चुनाव को लेकर शनिवार को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी गई। निर्धारित समय तक किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया। इसके चलते विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद को छोड़कर अन्य सभी प्रमुख पदों पर त्रिकोणीय मुकाबला तय हो गया है। वहीं, कोषाध्यक्ष पद पर एकमात्र नामांकन करने वाली मीनाक्षी का निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के लिए 29 सितंबर को मतदान होना है। दो दिन पूर्व नामांकन प्रक्रिया संपन्न होने के बाद शनिवार को नाम वापसी की प्रक्रिया निर्धारित थी।

हालांकि, समय सीमा समाप्त होने तक किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लिया। अंतिम सूची के अनुसार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और सहसचिव पद पर तीन-तीन प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। वहीं, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर दो प्रत्याशियों के बीच मुकाबला होगा। कोषाध्यक्ष पद पर मीनाक्षी के निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद इस पद पर चुनाव की स्थिति नहीं रही। चुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। प्रत्याशी छात्र-छात्राओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं। इसके साथ ही महाविद्यालय परिसर में छात्र राजनीति से जुड़ी गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। अब सभी की निगाहें 29 सितंबर को होने वाले मतदान पर टिकी हैं। मतदान के बाद इसी दिन मतगणना की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिसके बाद छात्रसंघ के विभिन्न पदों पर निर्वाचित प्रत्याशियों के नाम स्पष्ट हो जाएंगे।

पेंटिंग प्रतियोगिता में नैना और ईशिका ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि । कोटद्वार : राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर चार में 'मेरी आवाज सुनो जनकल्याण समिति' और 'राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ' के संयुक्त तत्वावधान मे पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ महमूदा मुस्कान और किरन डोबरियाल ने किया। प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में नैना प्रथम, हर्षिता द्वितीय और आशिका तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं जूनियर वर्ग में ईशिका ने प्रथम, ज्योति ने द्वितीय और देवांश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या सुनीता डंडरियाल, पार्षद आरती खर्कवाल और मनोज नौडियाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दो दिवसीय खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता सम्पन्न

मुख्य अतिथि के साथ संस्कृत प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राएं।

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार के तत्वाधान में आयोजित विभिन्न विधाओं में खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ मुख्यातिथि नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र चौहान, सीमा सजवाण द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वरिष्ठ वर्ग संस्कृत नाटक प्रतियोगिता में जनता इंटर कालेज कमलपुर प्रथम, संस्कृत विद्यालय चैधार द्वितीय, राइका नौगावखाल तृतीय रहे, समूहगान में जनता इंटर कॉलेज कमलपुर प्रथम, राइका संगलकोटी द्वितीय, श्रीकोटखाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूहनृत्य में राइका नौगावखाल ने प्रथम, राइका श्रीकोटखाल द्वितीय, राजकीय इंटर कालेज बग्याली तृतीय स्थान पर रहे। वाद विवाद में संस्कृत विद्यालय चैधार के सुरेंद्र लखेड़ा, सुजल बडोला प्रथम, आशिका और सागर सकलानी द्वितीय रहे। श्लोक उच्चारण में अस्मिता सुरखेत प्रथम तथा आयुष संस्कृत विद्यालय चैधार द्वितीय रहे। खंड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही ने सभी विजेताओं को पारितोषित देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर यतेंद्र धस्माना, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज नौगावखाल महेंद्र रौतेला, गणेश पसबोला, लीला रौथान आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन गणेश पसबोला द्वारा किया गया।

सेवा संकल्प कार्यक्रमों में राजनीतिक हस्तक्षेप का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : महानगर कांग्रेस ने विद्यालयों में सेवा संकल्प अभियान के नाम पर राजनीतिक हस्तक्षेप किए जाने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई है। कांग्रेस का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। पार्टी ने विद्यालयों में इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की है। महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। मीना बछुवाण ने आरोप लगाया कि भाजपा सेवा संकल्प के नाम पर विद्यालयों में कार्यक्रम करवा रही है और इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पहले से ही कई चुनौतियों से जूझ रही है। कई विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, जबकि कुछ विद्यालयों की इमारतों की स्थिति भी ठीक नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कई विद्यालय बंद भी हो चुके हैं। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ने कहा कि सरकार को विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, शिक्षकों की कमी दूर करने और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विद्यालयों को राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल से विद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप पर रोक लगाने और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न होने देने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में प्रवीन रावत, संजय मित्तल, धीरेंद्र बिष्ट, सुदर्शन रावत, अमित राज, सुरेंद्र सिंह, प्रदीप नेगी, अंकुश घिल्डियाल और शुभम सुयाल शामिल रहे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में ज्ञान भारती स्कूल रहा प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि ।कोटद्वार : वरिष्ठ नागरिक संगठन के तत्वावधान में राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार के सभागार में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 10 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में ज्ञान भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि एवीएन पब्लिक स्कूल द्वितीय स्थान पर रहा ।कार्यक्रम का शुभारंभ पीएल खंतवाल और जयबीर सिंह रावत ने किया। प्रतियोगिता का आयोजन सुनील नवानी ने अपने पुत्र की स्मृति में कराया। प्रश्नोत्तरी में विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों से जुड़े सवालों के जवाब देकर अपनी सामान्य ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले ज्ञान भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल और द्वितीय स्थान पर रहे एवीएन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रिपुदमन बिष्ट, राजेंद्र सिंह बिष्ट, विनोद नेगी, जयभारत सिंह, आरपी पंत, महेंद्र कुमार अग्रवाल, शंकर दत्त गौड़, हिम्मत सिंह रौतेला और सतीश चंद्र गौड़ सहित संगठन के पदाधिकारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, सीईसी का पुतला फूंका

मतदाता सूची से नाम हटाने में अनियमितता का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

दुगड्डा में पुतला दहन करते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने का आरोप लगाते हुए जिला कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया और निष्पक्ष जांच की मांग की।

जिलाध्यक्ष विकास नेगी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता दुगड्डा स्थित चौराहे पर एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर नाराजगी जताई। विकास नेगी ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में पारदर्शिता और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटने की मांग करते हुए कहा कि यदि एसआईआर प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन अथवा अनियमितता प्रमाणित होती है तो इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता महत्वपूर्ण है। किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं हटना चाहिए और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि वह इस मुद्दे को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाती रहेगी। वहीं, निर्वाचन आयोग की ओर से एसआईआर के लिए ऑनलाइन सेवाएं, नाम खोजने, दस्तावेज जमा करने और अपील जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उत्तराखंड में अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख 3 अक्टूबर निर्धारित की गई है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व अध्यक्ष विनोद डबराल, पियूष कैंत्यूरा, विमल बिष्ट, दीपक बिष्ट, नितेश ठाकुर और संजय तोमर आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

समूह गान, वाद-विवाद, श्लोकोच्चारण में ज्वाल्पा धाम ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड संस्कृत संस्थानम, हरिद्वार की ओर से आयोजित संस्कृत स्पर्धाओं के तहत विकासखंड कल्जीखाल की प्रतियोगिता राजकीय इंटर कॉलेज मुंडनेश्वर में हुई। इस दौरान कनिष्ठ वर्ग समूह गान, वाद-विवाद, श्लोकोच्चारण में ज्वाल्पा धाम संस्कृत विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गीता देवी, विशिष्ट अतिथि रोशनी देवी, प्रधानाचार्य उत्तम सिंह गुसाईं और खंड संयोजिका आरती बहुगुणा ने किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कनिष्ठ वर्ग के समूह नृत्य में राइंका साकिनखेत प्रथम, मवाधार द्वितीय और रमाडांग तृतीय रहे। समूह गान में ज्वाल्पा धाम संस्कृत विद्यालय प्रथम, मवाधार द्वितीय, साकिनखेत तृतीय रहा। वाद-विवाद में ज्वाल्पा धाम प्रथम व मवाधार द्वितीय, आशुभाषण में राउवि नंदाखाल प्रथम, ज्वाल्पा धाम द्वितीय, राइंका नलई तृतीय, श्लोकोच्चारण में ज्वाल्पा धाम प्रथम, रमाडांग द्वितीय, मुंडनेश्वर तृतीय स्थान रहे। वरिष्ठ वर्ग के नाटक में साकिनखेत प्रथम, मुंडनेश्वर द्वितीय स्थान पर रहा। समूहगान में ज्वाल्पा देवी महाविद्यालय प्रथम, ज्वाल्पा धाम विद्यालय द्वितीय, राइंका कल्जीखाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गोमुख ट्रैक पर कच्चीढांग के समीप खाई में गिरे बुजुर्ग यात्री

उत्तरकाशी। गंगोत्री गोमुख ट्रैक पर चीड़बासा से करीब दो किमी आगे कच्चीढांग के समीप महाराष्ट्र के एक बुजुर्ग यात्री का पैर फिसलने के कारण खाई में गिरने के बाद नदी के तेज बहाव में बह गया। सूचना मिलने पर शनिवार सुबह वन विभाग सहित एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और खाई सहित नदी के क्षेत्र में खोजबीन की लेकिन बुजुर्ग का कुछ पता नहीं लग पाया। साथ ही उस क्षेत्र में बर्फबारी होने के कारण टीम को रेसक्यू अभियान रोकना पड़ा।गंगोत्री नेशनल पार्क के रेंज अधिकारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि बीते शुक्रवार को महाराष्ट्र निवासी रामकुमार हनुमान गुप्ता उम्र 63 वर्ष अपने बेटे विशाल राम कुमार सहित अन्य दो लोगों के दीपक छोटेलाल, शिवसेवक मोतीलाल, निखिल सुरेश के साथ गोमुख ट्रैक के लिए रवाना हुए थे।

सड़कों को 15 अक्तूबर तक गड्ढामुक्त करें : मुख्य सचिव

उत्तरकाशी। मुख्य सचिव आनंद आनंद बर्धन ने 15 अक्तूबर तक जिले की सड़कों को हर हाल में गड्ढा मुक्त करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने बीआरओ, लोनिवि और पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को कहा कि सड़कों की स्थिति में तत्काल सुधार लाएं।

सेवा संकल्प अभियान में विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्त उत्तराखंड का संकल्प

विद्यार्थियों ने विकसित भारत-2047 के निर्माण को लेकर तैयार किया रोडमैप

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने सेवा संकल्प की शपथ लेने के साथ ही विकसित भारत के निर्माण को लेकर अपना रोडमैप तैयार किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि विद्यालयी शिक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रदेशभर की शिक्षण संस्थाओं में सेवा, शिक्षा, संस्कृति, खेल और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, फिटनेस, खेल भावना और नशामुक्ति जैसे विषयों को अभियान में प्रमुखता दी जा रही है। विद्यार्थियों को विकसित भारत के संकल्प से जोड़कर उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में शिक्षक संजय कुमार ने विद्यार्थियों को सेवा संकल्प की शपथ दिलाई। उन्होंने छात्र-छात्राओं से नशामुक्त एवं संस्कारयुक्त उत्तराखंड के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। शिक्षक नीरज कुमार रमोला और प्रकाश कैंथोला ने विद्यार्थियों को प्राणायाम और सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया। इसके अलावा सीनियर वर्ग में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण, सेवा भावना और विकसित भारत के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पहले नवरात्र से शुरू होगा सिटी बस का संचालन

श्रीनगर गढ़वाल : करीब आठ साल बाद सिटी बस सेवा शुरू होने का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। बस के रजिस्ट्रेशन के बाद अब परमिट समेत परिवहन विभाग से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरी हो गई हैं। नगर निगम ने पितृ पक्ष के समापन के बाद पहले नवरात्र से सिटी बस का संचालन शुरू करने की तैयारी की है। पौड़ी के आरटीओ द्वारिका प्रसाद ने बताया कि श्रीनगर सिटी बस से संबंधित परिवहन विभाग की सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। बस का परमिट भी जारी हो गया है। परिवहन विभाग के स्तर से अब बस के संचालन में कोई प्रक्रिया शेष नही है। मेयर आरती भंडारी ने बताया कि लंबे समय से सिटी बस का इंतजार कर रहे नगरवासियों को अब इसकी सुविधा मिलने जा रही है। पितृ पक्ष के समापन के बाद पहले नवरात्र से बस सड़कों पर दौड़ेगी। सिटी बस का संचालन कलियासौड़ से कीर्तिनगर पुल तक किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

चित्रकला, निबंध, भाषण और प्रोजेक्ट प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने लिया भाग

कार्यक्रम के दौरान छात्रा को सम्मानित करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत चित्रकला, निबंध, भाषण और प्रोजेक्ट सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम पार्षद अमित नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी कौशल, रचनात्मकता, नवाचार, सामाजिक सरोकार और अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है। चित्रकला प्रतियोगिता में रिया प्रथम, दीपिका द्वितीय और साधना तृतीय स्थान पर रहीं। निबंध प्रतियोगिता में अवनी चौहान प्रथम, दिव्या रावत द्वितीय और राज नेगी तृतीय रहे। प्रोजेक्ट प्रतियोगिता के टीम वर्ग में टीम-1 के आयुश शाह, अभिषेक कुमार, रिया बिष्ट और राज नेगी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम-2 में पुष्कर सिंह नेगी, रविंद्र कुमार, आदिति भट्ट और प्रियंका की टीम द्वितीय रही, जबकि टीम-3 के प्रणव रावत, प्रेरणा और शिवम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रियांशी प्रथम, प्रियांगना द्वितीय और आश मोहम्मद तृतीय रहे। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य मुकेश बाबू, संजीव चंद्र सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

भाषण में सानिया ड्राईंग में नमन, पोस्टर में प्रियांशा रही अव्वल

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर में आयोजित सेवा संकल्प महोत्सव एवं फार्मेसी वीक के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। भाषण प्रतियोगिता में सिविल तृतीय वर्ष की सानिया नेगी, ड्राइंग में मैकेनिकल द्वितीय वर्ष के नमन दत्त, पोस्टर में सिविल तृतीय वर्ष की प्रियांशा रावत तथा साइटून प्रतियोगिता में फार्मेसी प्रथम वर्ष की निशा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने तकनीकी दक्षता और नवाचार का प्रदर्शन किया। इसमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग शाखा ने प्रथम, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) ने द्वितीय तथा आईटी शाखा के दो प्रोजेक्ट्स ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता का विषय 'विकसित भारत 2047 एवं विकसित उत्तराखंड 2047 था। मुख्य अतिथि श्रीनगर नगर निगम की महापौर आरती भंडारी ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

सहायता प्राप्त विद्यालयों के छात्रों को भी टैबलेट देने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ ने प्रदेश के सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को भी सरकार की 'नॉलेज बैंक' योजना के तहत टैबलेट उपलब्ध कराने की मांग की है। संघ ने कहा कि सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के बीच डिजिटल शिक्षा के अवसरों में अंतर नहीं होना चाहिए।मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में संघ के प्रांतीय अध्यक्ष मेजर स्वतंत्र मिश्रा और प्रांतीय महामंत्री डॉ. महावीर सिंह बिष्ट ने कहा कि हाल ही में आयोजित 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' कार्यक्रम के बाद सरकारी विद्यालयों में कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा एवं नॉलेज बैंक के लिए टैबलेट उपलब्ध कराने की घोषणा की गई थी। हालांकि, इसमें सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को शामिल नहीं किया गया है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि सहायता प्राप्त विद्यालयों में भी बड़ी संख्या में गरीब, मध्यमवर्गीय और प्रतिभावान विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ऐसे विद्यार्थियों को भी डिजिटल शिक्षा का समान अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की 70 विधानसभाओं से चयनित 140 मेधावी विद्यार्थियों की सूची में सहायता प्राप्त विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी स्थान बनाया है। इसके अलावा हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं की मेरिट सूची में भी इन विद्यालयों के विद्यार्थी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं। संघ के मंडलीय अध्यक्ष संजय सिंह रावत ने मुख्यमंत्री से व्यापक छात्रहित में पूर्व की घोषणा में संशोधन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को भी 'नॉलेज बैंक' योजना में शामिल कर टैबलेट उपलब्ध कराए जाने चाहिए। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश संरक्षक डॉ. अनिल शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष जितेंद्र पुंडीर, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप त्यागी और अजय बिष्ट, मंडलीय अध्यक्ष संजय सिंह रावत, प्रांतीय प्रवक्ता कैलाश थपलियाल, देहरादून जिलाध्यक्ष अवधेश सेमवाल, जिला मंत्री नकुल रावत, पौड़ी जिलाध्यक्ष भारत बिष्ट और जिला महामंत्री संदीप रावत शामिल रहे।

गढ़वाल विवि में जल्द होगी 150 से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि में शिक्षकों के 150 से अधिक पदों पर जल्द नियुक्ति होगी।

विवि प्रशासन इसके लिए कवायद में जुटा हुआ है। वर्तमान में आरक्षण रोस्टर की प्रक्रिया अंतिम चरण में जारी है। इसके लिए कई बैठकें हो गई हैं। जल्द ही रोस्टर लागू होने पर पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह की ओर से विवि में बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाए रखने एवं शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत विवि में शिक्षकों के खाली पदों को प्राथमिकता से भरे जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले एक साल में विवि में कई शिक्षकों को पदोन्नति का तोहफा भी मिला है।

इसी के तहत अब रिक्त चल रहे असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर के पदों पर भर्ती प्रकिया शुरू किए जाने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। विवि के बिड़ला, पौड़ी एवं टिहरी परिसर के विभिन्न विभागों में करीब 150 से अधिक रिक्त पदों के लिए आरक्षण रोस्टर लागू होने के बाद भर्ती आवेदन जारी किए जाएंगे। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

Tender Notice No. SNT1-SIG-DLP-YARD2023-24 Date. 24.09.2026

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि./उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फार्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	SNT1-SIG-DLP-YARD2023-24 कॉमन यूजर ट्रैफिक फ़सिलटि फॉर जीसीटी तो बी डेवलप्ड एन्तिरेली ऑन रेलवे लैंड एट दलपतपुर	14170943.66	283400.00	Nil	15.10.2026 15:00 बजे

नोटः निविदा का पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 3358/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों के प्रति किया जागरूक

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरासैंण में विधिक साक्षरता व जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरासैंण में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधिक सेवा अधिनियम की जानकारी देते हुये निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताया तथा विधिक सहायता के लिए पात्रता की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। विद्यालय परिसर में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर में जज सोनिया ने छात्र-छात्राओं को उनके कानूनी अधिकार, पोक्सो एक्ट, विधिक सेवा, विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को समझाया कि उन्हें अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सचेत रहना चाहिए। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में कानूनी साक्षरता बढ़ाना और

उन्हें सामाजिक व विधिक मामलों के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर पीएलबी सतपुली पुष्पेंद्र राणा ने नालसा, सालसा तथा डालसा योजना के बारे में बताया। वहीं थाना सतपुली में तैनात एसआई सोहनलाल टम्टा ने साइबर क्राइम के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोयल ने शिविर के आयोजन के लिए जज सोनिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर विद्यार्थियों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगें। इस मौके पर सपना रावत, विजय प्रकाश सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीना शुक्ला ने किया।

सर्दियों में उत्तराखंड को मिलेगी केंद्रीय पूल से अतिरिक्त बिजली

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : सर्दियों के दौरान उत्तराखंड में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए केंद्र सरकार ने केंद्रीय क्षेत्र के विद्युत उत्पादन केंद्रों के अनआवंटित पूल से राज्य के लिए अतिरिक्त बिजली का आवंटन मंजूर कर लिया है। उत्तराखंड को अक्टूबर 2026 से मार्च 2027 तक इस अतिरिक्त आवंटन का लाभ मिलेगा।

आदेश के तहत अक्टूबर में 5 मेगावाट, नवंबर में 8 मेगावाट, दिसंबर में 16 मेगावाट, जनवरी 2027 में 19 मेगावाट, फरवरी में 16 मेगावाट और मार्च में 9 मेगावाट बिजली आवंटित की गई है। इस प्रकार छः माह में कुल 73 मेगावाट बिजली का आवंटन किया गया है। यह व्यवस्था एक अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की सर्दियों की बिजली आवश्यकता को देखते हुए अतिरिक्त बिजली आवंटित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य संस्थानों में व्यवस्थाएं व्यवस्थित एवं प्रभावी रहे : सीएमओ

सीएमओ ने जयहरीखाल, रिखणीखाल, नैनीडांडा की चिकित्सा इकाइयों का किया औचक निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मेघना असवाल ने विकासखंड जयहरीखाल, रिखणीखाल, नैनीडांडा के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में इमरजेंसी कक्ष, लेबर रूम, इमरजेंसी सर्विस एवं निर्माण कार्यों के साथ ही रिखणीखाल स्थित बीपीएचयू का औचक निरीक्षण किया। सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में व्यवस्थाएं व्यवस्थित एवं प्रभावी रहे, ताकि आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुगम और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान सीएमओ ने स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, आपातकालीन एवं प्रसव सेवाओं, आवश्यक औषधियों की उपलब्धता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने तथा समस्त स्टाफ को समय पर चिकित्सालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सालय में प्रयोग होने वाले सर्जरी उपकरणों को प्रत्येक दिन स्टेरलाइज करने को कहा। सीएमओ द्वारा जिलाधिकारी गढ़वाल के निर्देशों के क्रम में पीएचसी धुमाकोट में हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, मरम्मत सम्बन्धी कार्यों का निरीक्षण भी किया गया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने स्वास्थ्य संस्थानों में साफ-सफाई व्यवस्था नियमित एवं बेहतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आपातकालीन सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित करने, जरूरतमंद मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रसव केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी रखने के साथ संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए भी कहा। उन्होंने एच.पी.वी. वैक्सीनेशन पर जोर देते हुए शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने तथा सभी एएनएम को परिवार नियोजन सेवाओं को लेकर प्रचार-प्रसार करने को कहा। उन्होंने औषधि भंडार का उचित रख-रखाव करने, डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर एवं अन्य मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सौरभ बौंठियाल, जिला कंसलटेंट एन.सी.डी. श्वेता गुसाई, कनिष्ठ अभियंता आयुष एवं कनिष्ठ सहायक अंकित भट्ट, विकास नेगी आदि मौजूद रहे।

'गौरा देवी' में दिखा महिलाओं के संघर्ष और जंगल बचाने का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : संवाद आर्ट की नाट्य प्रस्तुति 'गौरा देवी' में महिलाओं के संघर्ष और जल, जंगल व जमीन के संरक्षण की लड़ाई को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया। नाटक में गौरा देवी के जीवन संघर्ष से लेकर चिपको आंदोलन में उनकी भूमिका को जीवंत किया गया। नाटक में दिखाया गया कि महज 12 वर्ष की उम्र में गौरा का विवाह हो गया। बेटे के जन्म के बाद कम उम्र में ही पति की मृत्यु हो गई, जिसके बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। उन्होंने महिलाओं को संगठित किया। जंगलों की कटाई के लिए पहुंचे ठेकेदारों का महिलाओं ने विरोध किया और पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। ठेकेदारों के जबरन पेड़ काटने की कोशिश पर महिलाएं पेड़ों से लिपट गईं और रातभर जंगल की रक्षा करती रहीं। नाटक का निर्देशन अनूप गुसाईं ने किया। सुधांशु नौडियाल, आयुष, श्रेयक, अदिति रुडोला, दृष्टि, ऋषभ और अर्चना आदि कलाकारों ने अभिनय किया। प्रस्तुति में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन का विशेष सहयोग रहा।

फार्मासिस्टों ने लिया स्वस्थ भविष्य का संकल्प

उत्तरकाशी। जिला अस्पताल सहित आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मासिस्ट एसोसिएशन की ओर से विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2026 की थीम स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिला अस्पताल में मरीजों को फल भी वितरित किए गए।

जिला अस्पताल में कार्यक्रम का शुभारंभ औषधीय पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रताप पंवार और सीएमओ डॉ. श्याम विजय, सीएमएस डॉ. बीएस रावत और आयुर्वेदिक अस्पताल मे जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. रत्नमणि भट्ट ने किया।

पोस्टर में अभिनव, भाषण में विवेक ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सतपुली में सेवा संकल्प अभियान के तहत विकसित भारत उत्तराखंड-2047 को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्वलित कर स्वागत गीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज के प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने विकसित भारत के तहत भारत सरकार के द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया। वहीं पीएलवी पुष्पेंद्र राणा ने छात्रों को सर्वांगीण विकास के लिए नशा साइबर क्राइम तथा अनेक कुरुतियों से बचने की सलाह दी। इस मौके पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में अभिनव प्रथम, मंदीप प्रकाश द्वितीय, अनुज घनशाला तृतीय स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में विवेक बिष्ट प्रथम, सौरभ द्वितीय, अखिलेश बिष्ट तृतीय स्थान पर रहा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य शैफाली, किरण असवाल, गौरव सेमवाल, प्रदीप कुमार,

नितिन चंद्र, अजय कुमार, आकाशदीप, कृति, पूजा देवी, पंकज कुमार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रशासनिक अधिकारी प्रदीप कुमार ने किया।

एक नजर

घोषणाओं के डेढ़ साल बाद भी जमीन पर काम नहीं

चिन्यालीसौड़। सिलक्यारा टनल के ब्रेकथ्रू कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से की गई घोषणाओं पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर ब्रह्मखाल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि 16 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में हेलीपैड निर्माण, सिलक्यारा से बौखनाग तक पैदल ट्रैक की घोषणा की गई थी जो अभी तक धरातल पर नहीं उतरी है गिंवला के ग्राम प्रधान गिरीराज सिंह रावत, प्रमेंद्र सिंह भंडारी, कृपाल सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधियों का कहना है कि घोषणाओं के बाद क्षेत्रवासियों को उम्मीद जगी थी कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।जनप्रतिनिधियों के अनुसार ब्रह्मखाल क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर विज्ञान विषयों की पढ़ाई के लिए उत्तरकाशी जाना पड़ता है। वहीं बेहतर उपचार के लिए भी लोगों को करीब 40 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय की ओर जाना पड़ता है। गरीब परिवारों के लिए बार-बार इतनी दूरी तय करना आर्थिक रूप से भी भारी पड़ता है। जनप्रतिनिधियों ने घोषणाओं को जल्द धरातल पर उतारने की मांग की है।

कोठा बैंड—दमदड़ मार्ग निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने भेजा ज्ञापन

गैरसैंण। कुनीगाड़ क्षेत्र के ग्रामीणों ने कोठा बैंड से दमदड़ तक मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर तहसील प्रशासन के जरिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू न हुआ तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।ग्रामीणों के अनुसार, वन भूमि हस्तांतरण की स्वीकृति न मिलने से यह सड़क अधर में लटकी हुई है। मार्ग बनने से सांव, गोगनानी, दमदड़ और तिमुलपानी की करीब 500 की आबादी लाभान्वित होगी। सड़क परिवहन मंत्री, स्थानीय विधायक अनिल नौटियाल और जिलाधिकारी चमोली को भी ज्ञापन की प्रतियां भेजी गई हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिष्ट, गणेश स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष धना देवी, सचिव मंजू देवी, कोषाध्यक्ष धर्मा देवी, सभासद उमा ढोंडियाल व जगदीश ढोंढ़ियाल सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कंडीसौड़ में लगाया शिविर

कंडीसौड़ (टिहरी)। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने और लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने के लिए थौलधार ब्लॉक मुख्यालय कंडीसौड़ में सेवा संकल्प अभियान के तहत शिविर लगाया गया जिसमें 14 लोगों ने शिकायत दर्ज करा-इ। जबकि कॅरियर काउंसलिंग में 350 छात्रों ने प्रतिभाग किया। स्वास्थ्य शिविर में 22 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। डीएम नितिका खंडेलवाल ने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए ब्लॉकवार न्याय पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर पर बहुउद्देशीय शिविर लगाने का रोस्टर जारी किया गया है। नोडल अधिकारी स्नेहा नेगी ने बताया कि शिविर में अभियान का उद्देश्य, प्रधानमंत्री के निर्णय, नीतियां, उपलब्धियां और विकसित भारत 2047 की संकल्पना के अनुरूप आमजन को सरकारी योजनाओं से लाभांवित करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए शिविर लगाया गया।

राष्ट्रीय हॉकी में टिहरी के चार खिलाड़ियों ने बढ़ाया मान

नई टिहरी। टिहरी जिले के चार खिलाड़ियों ने सीआईएससीई नेशनल हॉकी प्रतियोगिता (अंडर-19) में शानदार प्रदर्शन कर उत्तराखंड की टीम को द्वितीय स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रतियोगिता बीते 18 से 22 सितंबर तक फील्ड मार्शल करियप्पा हॉकी स्टेडियम बंगलूरु में आयोजित हुई जिसमे देशभर के 12 राज्यों की टीमों ने प्रतिभाग किया।

मौसम का रेड अलर्ट, राफ्टिंग पर अगले आदेश तक रोक

ऋषिकेश। पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। पर्यटकों और गाइडों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन व पर्यटन विभाग ने राफ्टिंग गतिविधियों पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी है। मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी और नदियों के तेज बहाव को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। टिहरी पर्यटन अधिकारी सोबत राणा ने बताया कि जब तक बारिश का दौर जारी रहेगा और गंगा नदी का जलस्तर सामान्य नहीं हो जाता, तब तक राफ्टिंग शुरू होने के कोई आसार नहीं हैं।

केदारनाथ यात्रा रोकी गई

मौसम विभाग के रेड अलर्ट को देखते हुए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने केदारनाथ धाम यात्रा को शनिवार दोपहर से 27 सितंबर तक स्थगित करने के आदेश जारी किए हैं। यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। खराब मौसम के चलते शनिवार को केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा भी संचालित नहीं हुई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र देहरादून की ओर से जारी मौसम पूर्वानुमान में रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके चलते देश-विदेश से चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा स्थगित की गई है।

पीजी कॉलेज उत्तरकाशी में 12 छात्र उम्मीदवार मैदान में

उत्तरकाशी। रामचंद्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी में छात्रसंघ चुनाव नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभिन्न पदों के लिए कुल 12 छात्र उम्मीदवार मैदान में हैं। कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव के लिए हुए सभी नामांकन वैध पाए गए हैं।

नामांकन के बाद अध्यक्ष पद पर ओम ग्रुप के अमित शाह, आर्यन ग्रुप के कपिल असवाल और एबीवीपी के शिवम राणा मैदान में हैं। जबकि उपाध्यक्ष पद पर एबीवीपी के रजत मिश्रा, निर्दलीय सुदीप नौटियाल खड़े हैं। वहीं, सचिव पद पर एबीवीपी की सरगम रावत व एनएसयूआई के हिमांशु मैदान में हैं। सह सचिव पद पर ओम ग्रुप की श्रुति पंवार व निर्दलीय ज्योतिका आमने सामने हैं। कोषाध्यक्ष पद पर ओम ग्रुप वर्षा ने नामांकन कराया था, जिससे उनका निर्विरोध कोषाध्यक्ष निर्वाचित होना तय है। इसी तरह विश्व विद्यालय प्रतिनिधि पद पर ओम ग्रुप के आयुष पंवार और एबीवीपी के प्रेंस जुड़ियाल ने नामांकन कराया था और मैदान में डटे हैं।

उत्तरकाशी की बिरला गली में कदम-कदम पर खतरा

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र की व्यस्त बिरला गली इन दिनों बदहाल स्थिति से गुजर रही है। गली में जगह-जगह खुले नाली के गड्ढे, टूटी और उखड़ी टाइलें, ऊबड़-खाबड़ रास्ते और दोनों ओर बेतरतीब खड़े दोपहिया वाहन लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। गली के कई हिस्सों में नालियों पर लगे सरिया वाले ढक्कन या तो पूरी तरह हट चुके हैं या क्षतिग्रस्त हैं। कई जगह नालियां खुले गहरे गड्ढों के रूप में दिखाई दे रही हैं। वहीं, रास्ते पर लगी टाइलें टूटने और उखड़ने से पैदल चलने वालों को संभलकर कदम रखना पड़ रहा है। बारिश के दौरान खुले नालों और टूटी टाइलों के कारण स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है।

संकरी गली में दोनों ओर बेतरतीब वाहनों की पार्किंग से राहगीरों के लिए बचा रास्ता और कम हो जाता है। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने से खुले नालों और टूटे रास्तों का खतरा और बढ़ जाता है। भीड़ के दौरान बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता है।

पंचायतों के रिक्त पदों पर 12 अक्तूबर को होगा मतदान

गोपेश्वर। चमोली जिले में पंचायतों के रिक्त पदों पर 12 अक्तूबर को मतदान होगा, जबकि 14 अक्तूबर को मतगणना की जाएगी।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गौरव कुमार ने राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी उपचुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 सितंबर और एक अक्तूबर को नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। तीन अक्तूबर को नामांकन पत्रों की जांच, चार अक्तूबर को नाम वापसी और पांच अक्तूबर को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। 12 अक्तूबर को सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। जिले की 615 ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान के छह, ग्राम पंचायत सदस्य के 279 और क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) के दो पद रिक्त हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी विकासखंडों में नियुक्त निर्वाचन अधिकारियों को रिक्त पदों का आरक्षण सहित पूरा विवरण सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार संपन्न कराने को कहा है।

नामांकन पत्रों की बिक्री और जमा करने सहित सभी प्रक्रियाएं संबंधित ब्लॉक मुख्यालयों में होंगी।

बारिश ने रवांई घाटी के किसानों की बढ़ाई मुश्किलें

पुरोला। रवांई घाटी में शनिवार से शुरू हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। धान की फसल पककर कटाई के लिए तैयार है वहीं कई किसानों ने देशी धान की कटाई कर फसल को खेतों में सुखाने के लिए रखा हुआ है। ऐसे समय हुई बारिश से खेतों में पड़ी फसल के खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

घाटी में इन दिनों किसान धान की कटाई के साथ पशुओं के लिए शीतकालीन चारे की व्यवस्था में भी जुटे हैं। किसानों ने खेतों से घास काटकर सुखाने के लिए रखी थी, लेकिन बारिश के कारण पूरी घास भीग गई। किसानों का कहना है कि अब घास को दोबारा पूरी तरह सुखाने में करीब 15 दिन लग सकते हैं।

लगातार नमी बनी रही तो घास के सड़ने और पशुओं के चारे के रूप में अनुपयोगी होने की आशंका है। किसान ओमप्रकाश गैरोला, नवीन गैरोला, रमेश असवाल, जगमोहन, स्यालिक राम नौटियाल और हकूमत सिंह ने

बताया कि बारिश का दौर लंबा खिंचा तो खेतों में कटी धान की फसल को भी भारी नुकसान हो सकता है। उनका कहना है कि सितंबर के अंतिम दिनों में बारिश ने किसानों की तैयारियों को प्रभावित कर दिया है। किसानों के मुताबिक, धान की कटाई और मड़ाई के साथ घास को सुरक्षित रखने के लिए सूखा और खुला मौसम बेहद जरूरी है।

नामांकन रद्द कराने को एबीवीपी का हंगामा

चमोली। पीजी कॉलेज गोपेश्वर में छात्र संघ चुनाव को लेकर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। एबीवीपी ने एनएसयूआई समर्थित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी किशन बर्त्वाल का नामांकन रद्द करने की मांग की। विरोध के दौरान कार्यकर्ताओं ने चमोली-कुंड हाईवे पर कुछ देर जाम भी लगाया। इसी बीच एक छात्र पेट्रोल लेकर महाविद्यालय की छत पर चढ़ गया, जिसे पुलिस ने फायर वाहन की मदद से नीचे उतारा। एबीवीपी का आरोप है कि पिछले वर्ष किशन बर्त्वाल के खिलाफ महाविद्यालय प्रशासन ने प्राथमिकी दर्ज की थी, इसलिए वे चुनाव लड़ने के पात्र नहीं थे। प्राचार्य डॉ. एमपी नगवाल ने कहा कि पिछले वर्ष मामला दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में मामला शांत हो गया था और इस वर्ष पूरी पारदर्शिता से चुनाव कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किशन बर्त्वाल चुनाव लड़ने

के लिए पूरी तरह वैध हैं, जबकि एबीवीपी ने चुनाव प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज कराई है।

10 वाहनों के किए चालान, ड्रिंक एंड ड्राइव पर चलाया अभियान

कर्णप्रयाग। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत परिवहन विभाग ने लंगासू, कालेश्वर, कर्णप्रयाग, चटवापीपल, गौचर, कमेड़ा में वाहनों की चेकिंग की। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) आनंद जायसवाल ने बताया कि वाहनों के ओवर लोडिंग, ओवर स्पीड, दोपहिया वाहन में ट्रिपल राइडिंग, फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं होने, चालकों के हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं पहनने पर 10 चालान किए गए हैं। साथ ही यातायात के नियमों की अवहेलना करने पर इनसे आठ हजार रुपये का अर्थ दंड लिया गया है। शराब पीकर वाहन चलाने से रोकने के लिए संचालित अभियान में 100 से अधिक वाहन चालकों का एल्कोमीटर से टेस्ट किया गया। लेकिन अनुमन्य 40 एमजी पर बीएसी से अधिक रीडिंग किसी की नहीं मिली जिसकी वजह से किसी के भी विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर फिर झड़प, बढ़ा तनाव; तालिबान के कई सदस्यों को मारने का दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे गुलिस्तान सेक्टर में अफगान तालिबान के कथित हमले को नाकाम करने का दावा किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने इस कार्रवाई में तालिबान के कई सदस्यों को मार गिराया। यह घटना दोनों पड़ोसी देशों के बीच करीब तीन महीने तक अपेक्षाकृत शांति रहने के बाद फिर बढ़े तनाव के बीच हुई है। पिछले सप्ताह पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक पुलिस प्रतिष्ठान पर हमला हुआ था, जिसमें कम से कम 24 लोगों की मौत हुई थी। पाकिस्तान की वायुसेना ने गुरुवार को अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर हमला किया था। इस्लामाबाद का कहना था कि इन ठिकानों का इस्तेमाल ड्रोन लॉन्च करने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। दोनों देशों के बीच फरवरी में भी संघर्ष हुआ था। इसके बाद तनाव जारी रहने के दौरान मार्च में काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमले में 400 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई थी। अफगान तालिबान ने कहा था कि मार्च में किया गया हवाई हमला एक मादक पदार्थ पुनर्वास केंद्र को निशाना बनाकर किया गया था।

बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआ: संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री तारीक रहमान

न्यूयार्क, एजेंसी। बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआ और सरकार देश को 'ठीक' करने के लिए सुधार, पुनर्स्थापन और पुनर्निर्माण की रणनीति पर काम कर रही है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह बात कही। रहमान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना भाषण बांग्ला में दिया। वह अपने परिवार के तीसरे सदस्य हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया है। उनसे पहले उनके पिता और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के साथ मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर चुकी हैं। उनके पिता जियाउर रहमान ने 1980 में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था, जबकि उनकी मां ने 1993 में विश्व नेताओं को संबोधित किया था। रहमान ने गुरुवार को अपने पहले संबोधन में कहा, 'डेढ़ दशक से अधिक समय के फासीवादी शासन और शोषण को खत्म करने के बाद बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआ।

नेपाल-चीन सीमा पर बाढ़ के एक महीने बाद भी 50 से ज्यादा यूक्रेनी लापता, परिवारों को जवाब का इंतजार

काठमांडू, एजेंसी। ओलेना कलिनिचेंको चीन से खरीदी गई गुलदाउदी की चाय अपने साथी के साथ साझा करने का इंतजार कर रही थीं। उनके साथी ओलेस विसिच ने कहा, 'उन्होंने कहा था, जब मैं घर लौटूंगी तो हम चीनी फूलों से बनी चाय साथ में पिएंगे।' अब वह एक महीने से ओलेना की खबर का इंतजार कर रहे हैं। ओलेना और हजारों अन्य लोग नेपाल-चीन सीमा पर आई भीषण बाढ़ के दौरान लापता हो गए थे। ओलेना की आखिरी ज्ञात लोकेशन स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 22 मिनट पर एक सीमा चौकी से चीन से बाहर निकलते समय दर्ज हुई थी। इसके 15 मिनट बाद बाढ़ आ गई थी। 36 वर्षीय कलिनिचेंको उन 56 लोगों के समूह का हिस्सा थीं, जिनमें ज्यादातर यूक्रेनी नागरिक थे। यह समूह आध्यात्मिक प्रवास के लिए तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत गया था। इन परिवारों की स्थिति बताती है कि आपदा में लापता लोगों को बचाने, उनके शव बरामद करने और उनकी पहचान करने की प्रक्रिया कितनी जटिल और समय लेने वाली हो सकती है।

पोलैंड की कैथोलिक मोनेस्ट्री में चाकू से हमला, पादरी की दर्दनाक मौत, 4 लोग गंभीर घायल

जारोस्लाव , एजेंसी। दक्षिण पूर्वी पोलैंड के जारोस्लाव शहर स्थित ऐतिहासिक बेनेडिक्टिन सिस्टर्स मठ में चाकूबाजी की एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गुरुवार सुबह प्रार्थना सभा के दौरान एक 31 वर्षीय सनकी युवक ने पादरियों और श्रद्धालुओं पर बड़े चाकू से अचानक ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल हुए पादरियों में से एक की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि तीन पुरुषों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय पुलिस ने आरोपी नागरिक को हिरासत में ले लिया है तथा जारोस्लाव शहर में आपातकालीन क्राइसिस मैनेजमेंट प्रक्रिया लागू कर दी गई है।

व्हाइट हाउस में शी जिनपिंग के लिए ट्रम्प का भव्य स्टेट डिनर: मेलानिया ने तैयार किया खास मेन्यू

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात व्हाइट हाउस में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन के सम्मान में एक भव्य 'स्टेट डिनर' (राजकीय भोज) की मेज़बानी की। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक गर्मजोशी के बीच आयोजित इस डिनर में न केवल राजनीतिक बल्कि वैश्विक व्यापार और टेक जगत के सबसे बड़े चेहरे एक छत के नीचे नज़र आए। मेलानिया ट्रम्प ने तैयार किया मेन्यू: अमेरिकी और चीनी स्वाद का संगमस्टेट डिनर का विशेष मेन्यू अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प की देखरेख में तैयार किया गया।

सूपः डिनर की शुरुआत पीले स्क्वैश से बने गाढ़े सूप से हुई, जिसमें जंगली मशरूम, ताज़ी जड़ी-बूटियां, कुरकुरा पैनसेटा और हरे प्याज का तेल शामिल था। मुख्य व्यंजनः तिल की परत वाली खास 'सी-बास' मछली परोसी गई। इसके साथ चीन में बेहद लोकप्रिय हरी सब्जी 'बोक चॉय', भुना हुआ बैंगन और विशेष हरी चटनी दी गई।

मिठाई (डेज़र्ट): मीठे में वनीला फ्लेवर की नरम क्रीम, खट्टी चेरी और अखरोट से बनी मिठाई के साथ आइसक्रीम पेश की गई। इस आइसक्रीम में व्हाइट हाउस के बगीचों में तैयार किया गया प्राकृतिक शहद इस्तेमाल हुआ।

टेक दिग्गजों का महाजुटान : डिनर में अमेरिका के प्रमुख उद्योगपतियों और सिलिकॉन वैली के शीर्ष टेक दिग्गजों ने शिरकत कीः शामिल प्रमुख हस्तियां: टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क, अमेज़न के जेफ बेजोस, गूगल (अल्फाबेट) के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन व ग्रेग ब्रॉकमैन, एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग तथा डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल मौजूद रहे। चर्चा के केंद्रः ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन आयोजन स्थल के बाहर प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देते दिखे, जबकि एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग अपने चिर-परिचित काले लेदर जैकेट के स्थान पर ब्लैक टक्सीडो पहनकर पहुंचे।

अमेरिका-चीन रिश्ते पहले से बेहतर': तोहफे में दिया बाल्ड ईगल

डिनर के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प ने दोनों देशों के संबंधों की तारीफ करते हुए कहाः मजबूत जन-संबंधः 'भले ही हमारी राजनीतिक व्यवस्थाएं भिन्न हों, लेकिन दोनों देशों के नागरिकों के बीच रिश्ते बेहद प्रगाढ़ हैं। आज दोनों देशों के संबंध पहले से कहीं बेहतर स्थिति में हैं।' उन्होंने अपने बीजिंग दौरे के भव्य स्वागत को याद करते हुए जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देने की बात कही। विशेष उपहारः ट्रम्प ने शी जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी 'बाल्ड ईगल' (Bald Eagle) की लगभग 3 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा उपहार में दी और कहा कि यह अमेरिका की आजाद व ऊंची उड़ान भरने वाली चेतना का प्रतीक है।

डिनर से पहले 2 घंटे चली द्विपक्षीय वार्ता : स्टेट डिनर से ठीक पहले व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में दोनों नेताओं के बीच करीब दो घंटे तक गहन द्विपक्षीय बातचीत हुई, जो निर्धारित समय से एक घंटा अधिक चली। बंद कमरे में हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , व्यापार संतुलन, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मीडिया की एंट्री को लेकर हुए इस विवाद का असर ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात की टीवी कवरेज पर भी पड़ा। अमेरिका के कई बड़े टीवी नेटवर्क ने दोनों नेताओं की शुरुआती मुलाकात का लाइव प्रसारण नहीं किया। इसी दौरान ओवल ऑफिस में ट्रम्प ने चीनी पत्रकारों को लेकर मजाक करते हुए कहा कि चीन की मीडिया सबसे दोस्ताना है। डिनर के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन की राजनीतिक व्यवस्थाएं अलग हैं, लेकिन दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से बेहतर हैं। ट्रम्प ने अपने बीजिंग दौरे को याद करते हुए कहा कि चीन में उनका जिस गर्मजोशी से स्वागत हुआ था, अब अमेरिका भी जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देना चाहता है। इस दौरान ट्रम्प ने जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी बाल्ड ईगल का करीब 3 फीट ऊंचा स्टैच्यू भी तोहफे में दिया।

बलूचिस्तान: बलूच लड़ाकों ने 25 हमलों में मारे 18 पाकिस्तानी सैनिक

क्वेटा, एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने गुरुवार को पिछले कुछ दिनों में पूरे बलूचिस्तान में 25 ऑपरेशनों की जिम्मेदारी ली है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी बलों को निशाना बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 18 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए।

द बलूचिस्तान पोस्ट को जारी एक बयान में बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 14 से 23 सितंबर के बीच प्रांत के कई हिस्सों में हमले किए, जिनमें पंजगुर, केच, खारान, खुजदार, मस्तुंग, वाशुक, नुश्की और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अभियानों के दौरान बीएलए ने पाकिस्तानी सैन्य काफिलों और चौकियों, निगरानी ढांचे, आपूर्ति मार्गों और जिसे समूह ने 'डेथ स्क्वॉड' बताया, उस पर हमला किया। बयान के अनुसार, बीएलए ने 22 सितंबर को क्वेटा के पास दश्त के टेरा माइल इलाके में पैदल गश्त के दौरान सेना के बम निरोधक दस्ते के सदस्यों को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया। समूह ने दावा किया कि हमले में एक पाकिस्तानी जवान की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। बीएलए ने कहा कि उसी दिन लड़ाकों ने खुजदार में बागबाना पुलिस स्टेशन पर कब्जा कर लिया और वहां रखे हथियारों और उपकरणों को जब्त कर लिया। समूह ने कहा कि बाद में पुलिस एंटी-टेररिस्ट फोर्स (एटीएफ) के कर्मी, 'डेथ स्क्वॉड' के सदस्यों के साथ इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन पर हमला किया गया। उसने कहा कि कथित सशस्त्र समूह के कई सदस्य मारे गए और थानाध्यक्ष (एसएचओ) मुनीर आलम जट्टक सहित पुलिस कर्मी घायल हो गए। बीएलए के अनुसार, उसके लड़ाकों ने 20 सितंबर को नुश्की में बाईपास रोड पर शहीद बालाच खान स्टेडियम के पास पाकिस्तानी सैन्य बलों को भी निशाना बनाया, जिसमें दो जवान मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। उसने आगे दावा किया कि बुलेदा के कोश्क इलाके में एक सैन्य चौकी पर ग्रेनेड-लॉन्चर से कई राउंड फायरिंग की गई। समूह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 21 सितंबर को मांड में रादिग पर कब्जा कर लिया, प्रमुख स्थानों पर नाकाबंदी की और भारी और स्वचालित हथियारों का उपयोग करके पाकिस्तानी सेना के मुख्य शिविर पर हमला किया। इससे पहले, 18 सितंबर को, उसने दावा किया था कि उसके लड़ाकों ने मांड में बलोचाबाद और बुल्लो पर कब्जा कर लिया, प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को अवरुद्ध कर दिया, और ऑपरेशन के दौरान क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित किया। बीएलए ने आरोप लगाया कि बाद में पाकिस्तानी बलों ने नागरिक बस्तियों को निशाना बनाने के लिए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया।

यूएन में बालेंद्र शाह का पहला भाषण: आपदा प्रबंधन पर दिया जोर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने हिमालयी क्षेत्र में जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में एक साझा तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग बढ़ाने की अपील की। बालेंद्र शाह ने कहा कि इस तंत्र के जरिए तीनों देश उपग्रह से मिले आंकड़े और विशेषज्ञता साझा कर सकते हैं। साथ ही खतरनाक ग्लेशियल झीलों की निगरानी और संयुक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा आए तो सीमाओं के पार राहत और सहायता के लिए समन्वय किया जाना चाहिए।

बालेंद्र शाह ने भारत-चीन से की क्या अपील : नेपाल के पीएम शाह ने कहा, 'हम नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में हिमालयी जलवायु के लिए तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हैं। इस तंत्र के जरिए उपग्रह डेटा और विशेषज्ञता साझा करें। खतरनाक ग्लेशियल झीलों की निगरानी करें। संयुक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करें। जब आपदा आए तो सीमाओं के पार सहायता का समन्वय करें। हिमालय खंडित सूचनाओं की सीमा के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रयोगशाला बने। नेपाल बाढ़ त्रासदी को लेकर क्या बोले बालेंद्र शाह? नेपाल के प्रधानमंत्री ने बाढ़ के बाद मदद के लिए विभिन्न देशों और संगठनों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, 'मैं बाढ़ के बाद हमारी सहायता के लिए आगे आने वाले सभी लोगों के प्रति नेपाल का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। हमारे तत्काल पड़ोसी भारत और चीन ने तेजी से और उदार सहायता प्रदान की। अन्य मित्र देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली, मानवीय सहायता एजेंसियों, परोपकारी संगठनों और दुनिया भर के लोगों ने नेपाल का साथ दिया। उन सभी से मैं नेपाल की कृतज्ञ जनता की ओर से धन्यवाद कहता हूं।

उत्तर कोरिया ने किया उन्नत 240 मिमी मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण, क्षेत्र में बढ़ा तनाव

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य तोपखाने क्षमताओं को आधुनिक बनाते हुए 240 मिमी क्षमता वाले उन्नत मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर का सफल परीक्षण किया है। गुरुवार को केसीएनए और योनहाप न्यूज एजेंसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह परीक्षण 22 सितंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नए रॉकेटों में ऑटोनॉमस पिनपॉइंट गाइड सिस्टम जोड़ा गया है, जिससे इनकी अधिकतम मारक क्षमता 115 किलोमीटर तक पहुंच गई है। इस परीक्षण के बाद उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के साथ अपनी दक्षिणी सीमा पर सबसे घातक और विनाशकारी हमलावर बल तैनात करने पर जोर दिया है।

240 मिमी रॉकेट लॉन्चर का सफल परीक्षण, 115 किलोमीटर तक रेंज : उत्तर कोरिया ने 240 मिमी क्षमता वाले

मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर से उन्नत रॉकेटों का परीक्षण किया। योनहाप न्यूज एजेंसी ने सरकारी मीडिया केसीएनए के हवाले से बताया कि यह परीक्षण 22 सितंबर को किया गया था। उत्तर कोरिया के अनुसार नए रॉकेटों में ऑटोनॉमस पिनपॉइंट गाइड सिस्टम लगाया गया है, जिससे उनकी सटीकता बढ़ाने का दावा किया गया है। सामान्य बैलिस्टिक उड़ान मोड में इनकी मारक क्षमता करीब 100 किलोमीटर बताई गई है, जबकि ग्लाइड फ्लाइट वाले संयुक्त मोड में यह दूरी 115 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। प्योंगयांग ने दावा किया कि परीक्षण के दौरान रॉकेटों की सटीकता और प्रदर्शन की पुष्टि हुई है। यह परीक्षण देश की आर्टिलरी और मिसाइल प्रणालियों के आधुनिकीकरण की योजना का हिस्सा बताया जा रहा है।

दक्षिणी सीमा पर सैन्य क्षमता बढ़ाने का दावा : उत्तर कोरिया के सैन्य नेतृत्व ने इस परीक्षण के बाद दक्षिणी सीमा पर अपनी मारक क्षमता को और मजबूत करने की बात कही है। वर्कर्स पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष पाक जोंग-चोन ने दक्षिणी सीमा पर आधुनिक और लंबी दूरी की सैन्य प्रणालियों को केंद्रित करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया चाहता है पिछले कुछ वर्षों में प्योंगयांग ने दक्षिण कोरिया की सीमा के नजदीक इस्तेमाल की जा सकने वाली कई आर्टिलरी और मिसाइल प्रणालियों को अपग्रेड किया है। उत्तर कोरिया ने 2023 में दक्षिण कोरिया के साथ अपने संबंधों को 'शत्रुतापूर्ण दो राज्य' के रूप में परिभाषित किया था।

यूएन में शहबाज शरीफ से हाफिज सईद पर सवाल, मुंह छिपाते नजर आए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को हाफिज सईद के मुद्दे पर सीधे सवालों का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रवेश करते समय पत्रकार ने उनसे पूछा कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेगा। शहबाज शरीफ ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। बाद में जब वह यूएन मुख्यालय से बाहर निकले तो उनसे फिर पूछा गया कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाया जाएगा। इस सवाल पर भी वो मुंह छिपाते हुए चलते चले गए। हाफिज सईद पर शहबाज शरीफ से क्या-क्या पूछा गया?

शहबाज शरीफ से दोनों सवाल सीधे तौर पर पाकिस्तान में आतंकवाद और हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े थे। सवाल था, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' लेकिन शहबाज ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद यूएन मुख्यालय से निकलते समय उनसे पूछा गया, 'लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' इस बार भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बिना जवाब दिए आगे बढ़ गए। इस पूरे घटनाक्रम ने यूएन में पाकिस्तान के आतंकवाद संबंधी रिकॉर्ड और हाफिज सईद पर कार्रवाई के सवाल को फिर चर्चा में ला दिया। हाफिज मोहम्मद सईद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और प्रमुख रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में भी उसका नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। इसके अलावा अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हाफिज सईद को आरोपी बनाया है। एनआईए ने जुलाई 2026 में दाखिल पूरक आरोपपत्र में उस पर व्यक्तिगत रूप से और लश्कर-ए-तैयबा तथा उसके सक्रिय सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के प्रमुख के तौर पर साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक को निशाना बनाया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। एनआईए की जांच के बाद दाखिल पूरक आरोपपत्र में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को भी आरोपी बनाया गया। जांच एजेंसी ने उस पर हमले की व्यापक साजिश में भूमिका होने का आरोप लगाया है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत को लेकर खोले पत्ते: रिश्तों को बताया बेहतरीन, जयशंकर से मुलाकात का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन , एजेंसी। न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आता रहा है, लेकिन अभी नेपाल और भारत के बीच रिश्ते अच्छे दौर में हैं। उन्होंने कहा कि काठमांडो भारत के साथ संबंधों में मतभेदों के बजाय अवसरों पर ध्यान देते हुए व्यावहारिक तरीका अपना रहा है।

भारत के साथ रिश्तों पर नेपाल के विदेश मंत्री ने क्या कहा : शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के संबंध बहुत मजबूत और कई स्तरों वाले हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल के कुल व्यापार का करीब दो-तिहाई हिस्सा भारत के साथ होता है। दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध भी काफी मजबूत हैं। खनाल ने कहा कि राजनीतिक स्तर पर कभी-कभी रिश्तों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, लेकिन मौजूदा समय में दोनों देशों के संबंधों को वह बेहतरीन मानते हैं। उन्होंने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल की नई सरकार के बीच संबंधों से जुड़े सवाल के जवाब में कही।

जयशंकर से मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात : खनाल ने बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच भारत-नेपाल संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर बातचीत हुई। इसमें विकास साझेदारी और ऊर्जा सहयोग की प्रगति पर चर्चा हुई। नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। यह बातचीत संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर हुई। भारत और चीन के बीच संतुलन को लेकर पूछे गए सवाल पर खनाल ने कहा कि नेपाल अब रिश्तों को केवल वैचारिक नजरिए से देखने के बजाय व्यावहारिक सहयोग पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ सीमा जैसे विवादित मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन नेपाल का मौजूदा तरीका यह देखने का है कि सहयोग के कौन-कौन से अवसर मौजूद हैं।

भारत के साथ ऊर्जा व्यापार को उन्होंने इसी व्यावहारिक नीति का उदाहरण बताया। खनाल ने कहा कि नेपाल की अर्थव्यवस्था आयात पर काफी निर्भर है, इसलिए ऊर्जा और व्यापार में सहयोग उसके लिए महत्वपूर्ण है। खनाल ने कहा कि नेपाल की भौगोलिक स्थिति उसके लिए बड़ी आर्थिक संभावना बन सकती है। उन्होंने भारत के साथ 1,700 किलोमीटर से अधिक लंबी खुली सीमा का जिक्र किया। यह सीमा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से जुड़ती है। उन्होंने बताया कि नेपाल के पास आर्थिक रूप से उपयोगी करीब 43 गीगावाट जलविद्युत क्षमता है और देश 2035 तक 28,000 मेगावाट तक पहुंचने की दिशा में काम करना चाहता है। इससे भारत और आगे बांग्लादेश को स्वच्छ बिजली निर्यात करने की संभावना है।

यूएन में 75 देशों ने नेतन्याहू का बायकॉट किया: हूटिंग हुई तो 3 मिनट चुप खड़े रहे, फिर बोले- कायर बाहर चले जाएं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण दिया। जैसे ही वो मंच पर आए तो 75 देशों के प्रतिनिधियों ने हूटिंग करके उनका विरोध किया, फिर बाहर चले गए। इस घटनाक्रम के बाद नेतन्याहू करीब 3 मिनट तक चुपचाप खड़े रहे। फिर उन्होंने कहा, भाषण शुरू करने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि अगर यहां कोई और कायर है तो बाहर चला जाए। हालांकि, इस दौरान गैलरी नेतन्याहू के समर्थकों से भरी हुई थी। उन्होंने तालियां बजाकर नेतन्याहू का स्वागत किया और 'अम यिसराइल चाई' यानि 'इजराइल की जनता जिंदा है' के नारे लगाए। नेतन्याहू ने अपने भाषण में गाजा, ईरान, लेबनान पर इजराइली कार्रवाई का जिक्र किया। ट्रम्प की तारीफ, न्यूयॉर्क मेयर ममदानी और यूरोप के नेताओं की आलोचना की।

गाजा- इजराइली सेना के हमले का बचाव : नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर 2023 के हमले का जिक्र करते हुए इजराइल की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकियों ने जिस तरह इजराइलियों को मारा, वह बेहद भयावह था। ऐसी भयावहता की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

नेतन्याहू ने आगे कहा, दुश्मनों को लगा था कि इजराइल टूट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

हम उठे और शेरों की तरह लड़े। नेतन्याहू ने गाजा में इजराइल पर नरसंहार करने के आरोप को खारिज किया। उन्होंने इसे 21वीं सदी का सबसे बड़ा झूठ बताया। नेतन्याहू ने कहा, 'इजराइल ने नरसंहार नहीं किया। इजराइल ने नरसंहार को रोका। अगर हमास के समर्थकों को मौका मिलता तो वे हर यहूदी को मार देते। '

लेबनान- हिजबुल्लाह को पेजर अटैक की याद दिलाई : नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के खिलाफ की गई उस कार्रवाई का भी जिक्र किया, जिसमें संगठन के सदस्यों के पास मौजूद पेजर में धमाके हुए थे। उन्होंने कहा, क्या आपको पेजर याद हैं? हिजबुल्लाह को तो जरूर याद होंगे। 17 सितंबर 2024 को लेबनान और सीरिया में हजारों पेजर एक साथ फटे थे, जिससे 3,000 से अधिक लोग घायल हुए और कई लोगों की मौत हो गई थी। ईरान- डेलीगेशन को स्टारलिंक गिफ्ट करने बात कही नेतन्याहू ने ईरान की मिसाइलों के खतरे का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र में मौजूद लोगों से सवाल किया कि अगर एक टन की ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल इस इमारत पर गिर जाए तो क्या होगा। इससे पूरा इलाका तबाह हो सकता है। उन्होंने ईरान के नेताओं को 'तेहरान का तानाशाह' बताया और कहा कि वे अपने ही लोगों से डरते हैं। उन्होंने इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का एक डिवाइस दिखाया और कहा कि इससे ईरान के लोग खुलकर अपनी बात कह सकते हैं। नेतन्याहू ने आगे कहा कि वे यह डिवाइस ईरानी डेलीगेशन के लिए छोड़कर जाएंगे। अगर वे अपनी सरकार के खिलाफ हो जाएं या उसका साथ छोड़ दें, तो स्टारलिंक के जरिए इंटरनेट चला सकेंगे और सोशल मीडिया पर अपनी बात दुनिया को बता सकेंगे। नेतन्याहू के हॉल से जाने के बाद जब ईरानी अधिकारी वहां पहुंचे, तो एक इजराइली अधिकारी उनके पास गया। उसने ईरानी अधिकारियों से स्टारलिंक डिवाइस लेने की अपील की और कहा कि यह उनके लिए काफी उपयोगी हो सकता है। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने इसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई और स्वीकार करने से इनकार कर दिया। नेतन्याहू के हॉल से जाने के बाद जब ईरानी अधिकारी वहां पहुंचे, तो एक इजराइली अधिकारी उनके पास गया।

पैन-इंडिया टैग हिंदी और बाकी भाषा की फिल्मों में फर्क पैदा करता है

तेलुगू सुपरस्टार घंटा नवीन बाबू उर्फ नानी जहां इन दिनों अपनी फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उन्होंने भारतीय सिनेमा में सिर्फ साउथ इंडियन फिल्मों के लिए ही 'पैन-इंडिया' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। 42 साल के एक्टर ने इसे 'डबल स्टैंडर्ड' कहा है और सीधा सा तर्क दिया है कि यह दोहरा मापदंड है, जो हिंदी सिनेमा को फायदा पहुंचाता है। नानी ने चेन्नई में एक इवेंट में कहा कि साउथ इंडियन फिल्मों को एक ऐसे टैग में सीमित कर दिया गया है, जिससे लगता है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह साबित करने की जरूरत है।

नानी ग'द पैराडाइज' के प्रमोशन के लिए चेन्नई में थे। दो बार पोस्टपोन होने के बाद उनकी यह फिल्म अब 24 सितंबर को रिलीज हो गई है। इवेंट में प्रेस मीट के दौरान एक्टर ने कहा, 'जब कोई हिंदी फिल्म साउथ में सफल होती है, तो हम उसे हिंदी फिल्म ही कहते हैं। लेकिन जब कोई साउथ इंडियन फिल्म पूरे देश में सफल होती है, तो हम उसे पैन-इंडिया फिल्म कहते हैं। मैं अपनी फिल्मों को पैन-इंडिया फिल्म का लेबल नहीं देना चाहता।'

'दसारा' मूवी फेम एक्टर नानी ने आगे कहा कि उनके लिए मुद्दा सिर्फ एक शब्दावली का नहीं है। उनका मानना है कि यह टैग हिंदी सिनेमा और साउथ की फिल्मों के बीच अनजाने में ही एक फर्क पैदा करता है। जबकि भले ही दोनों फिल्में पूरे देश के दर्शकों तक पहुंचती हों। नानी ने कहा कि उन्हें 'पैन-इंडिया फिल्म' वाले टैग से चिढ़ है। वह बोले, 'मैं फिल्मों पर उसकी कहानी के दम पर चर्चा होते देखना पसंद करूंगा, न कि किसी ऐसे टैग के जरिए जो यह संकेत दे कि किसी क्षेत्रीय फिल्म ने अपनी मूल भाषा से बाहर दर्शक पाकर कुछ असाधारण हासिल किया है।'

नानी की यह बात ऐसे समय में आई है, जब बड़े बजट की तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम फिल्में डब वर्जन में एकसाथ कई भाषाओं में रिलीज हो रही हैं। खुद उनकी नई रिलीज 'द पैराडाइज' की सभी 5 भाषाओं में रिलीज की तैयारी कर रही है।

तमिल सिनेमा मेरे लिए बाइबिल की तरह

एक्टर नानी ने इवेंट बताया कि एक बड़े तेलुगू स्टार बनने से बहुत पहले ही, तमिल सिनेमा का उन पर कितना गहरा असर पड़ा था। उन्होंने कहा, 'तमिल सिनेमा मेरे लिए बाइबिल की तरह है। सिनेमा के प्रति मेरी जानकारी, प्यार और दिलचस्पी यहीं से शुरू हुई। कमल हासन सर, मणि सर, भारतीराजा सर, भाग्यराज सर और ऐसे ही कई दिग्गजों को देखकर, जिन्होंने सिनेमा को देखने का मेरा नजरिया बनाया।'

नानी की दो तमिल फिल्में, दोनों फ्लॉप

नानी ने अपने करियर में अब तक दो तमिल फिल्मों, 'वेप्पम' और 'आहा कल्याणम' में काम किया है। हालांकि, दोनों ही फ्लॉप रही हैं। एक्टर ने कहा, 'मैंने दो तमिल फिल्में की हैं, लेकिन बदकिस्मती से दोनों ही नहीं चलीं। हालांकि, मेरी जो भी तेलुगू फिल्में तमिल में डब होती हैं, उन्हें तमिल दर्शक बहुत पसंद करते हैं। मैं सच में तमिल सिनेमा में एक अच्छी फिल्म बनाना चाहता हूं। और मणि रत्नम के साथ काम करना मेरा सपना है।'

बिना ट्रेलर के ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'द पैराडाइज'

'द पैराडाइज' फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 49 मिनट है। लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर नहीं रिलीज करने का फैसला किया है। यानी बिना ट्रेलर के ही यह फिल्म सीधे 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। असल में फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का कुछ काम अभी भी बाकी है। ऐसे में मेकर्स रिलीज की डेडलाइन मिस नहीं करना चाहते और ट्रेलर एडिट में अपना समय खर्चने से बच रहे हैं।

संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इसके निर्देशक एसएस राजामौली हैं। अब खबर आ रही है कि वह बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। उम्मीद है कि उनकी अगली फिल्म भंसाली के साथ होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय लीला भंसाली और महेश बाबू हाल ही में मिले और एक फिल्म की कहानी पर चर्चा की। बताया जाता है कि इस प्रोजेक्ट में शानदार सेट और संजय की फिल्मों वाली खास विजुअलाइजेशन देखने को मिलेगी। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न ही निर्देशक और न ही अभिनेता ने इस पर कुछ कहा है।

अभी क्या कर रहे हैं संजय लीला भंसाली?

संजय लीला भंसाली फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' में व्यस्त हैं। इसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा है। 'लव एंड वॉर' 2027 में रिलीज होने वाली है।

महेश बाबू ने शुरू की डबिंग

इस बीच महेश बाबू अभी 'वाराणसी' की शूटिंग पर ध्यान दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। खबरों के मुताबिक अभिनेता ने फिल्म में अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और बाकी हिस्सा, जो उनका इंट्रोडक्शन सीन है, बाद में शूट करेंगे। खबर है कि उन्होंने अपने किरदार के लिए डबिंग भी शुरू कर दी है।

प्रियंका और पृथ्वीराज ने कितनी शूटिंग पूरी की?

रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि प्रियंका चोपड़ा ने भी अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन ने भी इस साल की शुरुआत में एक शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली थी।

सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूं

भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सेंट और भाषा को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी एक भाषा में जरूरी नहीं कि बहुत अच्छी हों। उनका सफर अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से लगातार ढलने का रहा है। इंटरव्यू में रश्मिका ने कहा कि वह हर भाषा को अपनी भाषा मानती हैं। रश्मिका ने कहा, 'मैं कोडवा हूं और कोडवा तक्क बोलती हूं। मेरी मातृभाषा के लिए कोई फिल्म इंडस्ट्री नहीं है। इसलिए भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी।' उन्होंने कहा, 'मैं सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूं। मेरे फैंस, जिन्हें मैं अपना परिवार कहती हूं, उन्होंने सबसे पहले मुझसे तेलुगु फिल्म करने को कहा था।' रश्मिका ने बताया कि हिंदी को लेकर भी ऐसा ही हुआ। इसी तरह उनका करियर अलग-अलग भाषाओं में आगे बढ़ता गया। जब उनसे एक्सेंट को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि अलग तरह से बोलने को लेकर लोगों की राय सुनने की अब उन्हें आदत हो गई है। रश्मिका ने कहा, 'जब तक मैं किसी भाषा में पूछे गए सवालों का जवाब दे सकती हूं, तब तक ठीक है। इसी तरह मैं दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए अपने दर्शकों का सम्मान करती हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं हर काम में हाथ आजमाने वाली हूं, लेकिन किसी एक काम में मास्टर नहीं हूं।'

रश्मिका फिल्मों पर फोकस रखती हैं

रश्मिका ने कहा कि फिल्मों में अपने एक्सेंट को लेकर होने वाली बेवजह की चर्चाओं पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देतीं। इसके बजाय, वह अपने किरदार को पूरी क्षमता से निभाने पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, 'एक्ट्रेस के तौर पर मेरा काम सेट पर अच्छी कहानियां सुनाना और फिर वापस आना है। हर फिल्म के साथ मेरा मानना है कि हममें से सबसे अच्छा हिस्सा कुछ जादुई बनाने के लिए साथ आता है।' रश्मिका ने कहा, 'मैं अपने काम पर ध्यान देती हूं। फिल्म का नतीजा इन सभी लोगों की ऊर्जा के साथ आने का परिणाम होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं किसी के काम में दखल नहीं देना चाहती। मैं सिर्फ एक एक्ट्रेस के तौर पर अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन देने पर ध्यान देती हूं।'

इन फिल्मों में नजर आएंगी

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार हिंदी फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आई थीं। वहीं, रश्मिका की साल 2025 में पांच फिल्में रिलीज हुईं। उन्होंने हिंदी फिल्म 'छावा' में महारानी येसूबाई का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'सिकंदर' में सैसरी राजकोट की भूमिका में नजर आईं। वहीं, रश्मिका ने तेलुगु-तमिल द्विभाषी फिल्म 'कुबेरा' और हिंदी फिल्म 'थामा' में भी काम किया। इसके अलावा वह तेलुगु फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में भी नजर आईं। रश्मिका मंदाना जल्द अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'रणबाली' में दिखाई देंगी। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अफेयर की खबरों पर एल्विश यादव ने तोड़ी चुप्पी

यूट्यूबर एल्विश यादव पिछले काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, उन्हें अपने हालिया बर्थडे सेलिब्रेशन के बाद एक मिस्ट्री गर्ल के साथ निकलते हुए देखा गया। ऐसे में दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलें शुरू हो गई। अब इस पर रियलिटी टीवी स्टार एल्विश ने चुप्पी तोड़ी है और साथ ही यह भी कहा कि एक वायरल क्लिप के आधार पर उनका नाम उस लड़की के साथ जोड़ना बंद करें।

इसके अलावा यूट्यूबर ने दोनों का रिश्ता भी अब खुद ही बता दिया है।

अफवाहों पर सफाई देते हुए एल्विश ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लड़की के साथ अपना नाम जोड़े जाने पर नाराजगी जताई और साफ किया कि वह उनकी सिर्फ एक कॉमन फ्रेंड हैं। उन्होंने लोगों से एक छोटी सी वीडियो क्लिप देखकर किसी नतीजे पर न पहुंचने की अपील भी की। एल्विश ने पोस्ट में लिखा, 'बस साफ कर दूं कि वह लड़की मेरी एक कॉमन दोस्त है। अलग एंगल से लिए गए क्लिप के आधार पर मेरा नाम उसके साथ जोड़ना बंद करें। लोग सच जाने बिना ही बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। प्लीज हमारी पर्सनल जिंदगी का सम्मान करें और कयास लगाना बंद करें।'

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एल्विश अपनी बर्थडे पार्टी से एक लड़की के साथ बाहर निकलते नजर आए थे। लड़की ने कैजुअल ब्लैक आउटफिट पहना हुआ था। यूट्यूबर के साथ बाहर निकलने के दौरान वह पैपराजी से अपना चेहरा छिपाती हुई नजर आई थीं। एल्विश ने अपनी पहचान यूट्यूबर के तौर पर बनाई थी। फिर उन्हें साल 2023 में 'बिग बॉस ओटीटी' सीजन 2 में देखा गया। एल्विश ने इस सीजन का खिताब भी अपने नाम किया, जिसके बाद उन्हें बड़ी पहचान मिली। वह इस रियलिटी शो को जीतने वाले पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बने थे। इसके अलावा एल्विश 'प्लेग्राउंड' और 'लाफ्टर शेफ्स' जैसे शोज में भी नजर आ चुके हैं।

'वाइब' के बाद कुणाल खेमू का इमोशनल पोस्ट

अभिनेता कुणाल खेमू की कॉमेडी, एक्शन और जासूसी थ्रिलर फिल्म 'वाइब' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के जरिए अभिनेता ने एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग और प्रोड्यूसिंग में हाथ आजमाया है। अभिनेता का मानना है कि इस फिल्म के जरिए उन्होंने अलग दिशा में सभी को एंटरटेन करने की कोशिश की है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सीन्स को शेयर किया है, जिसमें फिल्म का गाना वाइब ऐड किया है। कुणाल खेमू ने वीडियो शेयर कर लिखा, 'हार्दिक (कुणाम खेमू किरदार का नाम) की शुभकामनाएं। अपनी पूरी टीम के साथ आने और माहौल बनाने के लिए दिल से शुक्रिया। अगर अभी तक किसी ने फिल्म नहीं देखी है, तो अपने प्लान में इसे जरूर शामिल करें और 'साथ मिलकर हम करेंगे और कर सकते हैं' (थोड़ा मेटा है, समझने वाले समझ जाएंगे)।' अभिनेता ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए कुछ अलग करने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा, 'कुछ अलग और नया करने की ये एक जर्नी रही है। एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग, प्रोड्यूसिंग। यकीन मानिए, मुझे आगे बढ़ाने वाली सिर्फ एक चीज है- फिल्मों के लिए मेरा कभी न खत्म होने वाला प्यार और आप सभी का शानदार प्यार और सपोर्ट जो आप हमेशा दिखाते आए हैं। मैं बस आपको एंटरटेन करना चाहता हूं और आपको गर्व महसूस कराना चाहता हूं, तो ये जान लीजिए, मैं आपका सारा प्यार देखता हूं और आपके सारे फीडबैक सुनता हूं।'

आईएमडीबी की मोस्ट पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज में शामिल संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर ने आईएमडीबी की टॉप 10 मोस्ट पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज लिस्ट में जगह बनाई है। वह इस सूची में नौवें स्थान पर हैं, जो उनके लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। इस खास मौके को संदीपा ने अपने मजेदार अंदाज में सेलिब्रेट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आईएमडीबी की इस उपलब्धि को शेयर करते हुए लिखा है, 'चुंबक अपना जादू चला रहा है.' यह रैंकिंग ऐसे समय में आई है, जब संदीपा का नया प्रोजेक्ट 'चुंबक' दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट में उनके काम को काफी सराहा जा रहा है, जिससे उन्हें और ज्यादा पहचान मिल रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा लगातार अलग-अलग तरह के किरदारों और प्रोजेक्ट्स के साथ प्रयोग कर रही हैं। फिलहाल 'चुंबक' को मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स के बीच आईएमडीबी की टॉप 10 लिस्ट में उनकी एंट्री उनके काम को मिल रहे बढ़ते प्यार और इंडस्ट्री में उनकी मजबूत मौजूदगी को दर्शा रही है।

चारधाम यात्रा को लेकर विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें

मुख्य सचिव ने गंगोत्री धाम में की पूजा-अर्चना, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : शनिवार को मुख्य सचिव उत्तराखंड शासन आनंद बर्द्धन ने गंगोत्री धाम में मां गंगा और विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर भगवान काशी विश्वनाथ एवं शक्ति मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने विधिवत पूजा कर मां गंगा से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

पूजा-अर्चना के बाद मुख्य सचिव ने गंगोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर गंगोत्री धाम में चल रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने यात्रा मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने गंगोत्री धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए रखने को कहा। साथ ही घाटों पर स्वच्छता व्यवस्था, नियमित साफ-सफाई, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाटों एवं मंदिर परिसर के आसपास साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर बनी रहे और श्रद्धालुओं को दर्शन एवं स्नान के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। इस दौरान मंदिर समिति सचिव सुरेश सेमवाल, जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र सहित अन्य अधिकारी और मंदिर समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश को लेकर आपदा प्रबंधन तंत्र पूरी तरह अलर्ट मोड पर: मदन कौशिक

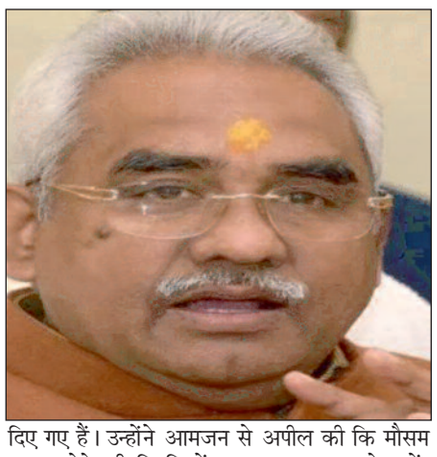

देहरादून। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री श्री मदन कौशिक ने कहा कि प्रदेश में मौसम विभाग द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। राज्य एवं जनपद स्तर पर मौसम और बारिश की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है तथा सभी संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र एवं जिला आपातकालीन परिचालन केंद्रों के माध्यम से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात फील्ड टीमें सतर्क हैं तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक संसाधन तैयार रखे गए हैं।

श्री कौशिक ने कहा कि नदी–नालों, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों एवं संवेदनशील सड़क मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक कदम उठाने तथा किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि मौसम खराब होने की स्थिति में अनावश्यक यात्रा से बचें, नदी–नालों एवं बरसाती गदेरों के आसपास न जाएं और प्रशासन द्वारा जारी चेतावनियों एवं दिशा–निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रदेशवासियों की सुरक्षा है और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में सांसद चैंपियनशिप ट्रॉफी का आगाज

देहरादून। रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में शनिवार को सांसद राज्यसभा डॉ. नरेश बंसल के तत्वावधान में आयोजित सांसद चैंपियनशिप ट्रॉफी का शुभारंभ हुआ। खेल, शिक्षा एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. नरेश बंसल ने किया।

उद्घाटन अवसर पर सांसद नरेश बंसल ने प्रतियोगिता का ध्वज फहराया और तिरंगे गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और क्लैप बजाकर रेस को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों के साथ कबड्डी में भी भाग लिया। प्रतियोगिता में चकराता, विकासनगर, सहसपुर, कैंट, मसूरी, राजपुर और रायपुर विधानसभा क्षेत्रों के विधानसभा स्तर पर विजेता खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। अंडर–14 और अंडर–19 आयु वर्ग के बालक–बालिकाओं ने कबड्डी, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, खो–खो, पिट्ठू और मुर्गा झपट सहित विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजकों के अनुसार इन प्रतियोगिताओं में कुल 1372 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा फुटबॉल, बैडमिंटन, मलखंब, गोलीकंचा और रस्साकशी में सीधी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें करीब 500 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

विधायक ने नैनबाग व्यापार मंडल को दिया कूड़ा निस्तारण वाहन

नैनबाग(टिहरी)। नैनबाग क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए राहतभरी खबर है। धनोल्टी विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने व्यापार मंडल को एक कूड़ा निस्तारण वाहन उपलब्ध कराया है जिससे नैनबाग बाजार सहित आसपास क्षेत्र से अब नियमित कूड़ा उठाया जा सकेगा। इससे यमुना नदी भी दूषित नहीं होगी और बाजार की सफाई व्यवस्था में भी सुधार होगा। कूड़े का ढेर बढ़ने पर सड़क के ठीक नीचे बह रही यमुना नदी में जा रहा था। समस्या को लेकर अमर उजाला ने पांच जून के अंक में यमुना को दूषित कर रहा नैनबाग का कूड़ा शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। इसका संज्ञान लेते हुए धनोल्टी विधायक ने स्थानीय व्यापारियों की मांग पर नैनबाग व्यापार मंडल को एक कूड़ा निस्तारण वाहन उपलब्ध कराया है जिससे निश्चित ही क्षेत्र में वर्षों से बनी समस्या का समाधान हो सकेगा।

धोखाधड़ी में दो साल से फरार 15 हजार का इनामी गिरफ्तार

देहरादून। एसएसपी देहरादून के निर्देश पर वांछित एवं इनामी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रेमनगर पुलिस ने भूमि धोखाधड़ी के मामले में करीब दो वर्ष से फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए वर्ष 2024 में दुबई चला गया था।

थाना प्रेमनगर में युवराज क्षेत्री निवासी कोल्हूपानी, नन्दा की चौकी, प्रेमनगर की शिकायत पर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर 85 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा संख्या 255/24, धारा 420/120बी भादवि के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। मामले में आरोपी बृजमोहन सिंह लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर एसएसपी देहरादून की ओर से 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक, विवेचना के दौरान जानकारी मिली कि आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए वर्ष 2024 में दुबई चला गया था। इसके बाद पुलिस टीम लगातार गोपनीय रूप से आरोपी की गतिविधियों और उसके संबंध में जानकारी जुटाती रही। पुलिस को आरोपी के भारत वापस लौटने की सूचना मिली। इसके बाद प्रेमनगर पुलिस ने मैनुअल पुलिसिंग के माध्यम से उसकी तलाश तेज की। पुलिस के अनुसार, भारत लौटने के बाद आरोपी अपने घर जाने के बजाय एक गेस्ट हाउस में छिपकर रह रहा था। प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने 25 सितंबर 2026 को बद्री विशाल गेस्ट हाउस के पास, रिस्पना रोड से बृजमोहन सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

तहसील प्रशासन ने माजरी ग्रांट में प्लॉटिंग की ध्वस्त

डोईवाला। तेज बारिश के बावजूद शनिवार को तहसील प्रशासन ने माजरी ग्रांट में अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 25 बीघा अवैध प्लॉटिंग को किया। बताया गया कि कृषि भूमि में गूल को हटाकर बिना एमडीडीए की अनुमति के प्लॉटिंग की जा रही थी। शनिवार को माजरी ग्रांट में प्लॉटिंग के खिलाफ प्रशासन ने शिकंजा कसा। उपजिलाधिकारी अपर्णा ढौंडियाल के नेतृत्व में तहसील, एमडीडीए और पुलिस की संयुक्त टीम माजरी ग्रांट पहुंची और कृषि भूमि पर बिना स्वीकृत ले–आउट के सड़कें और बाउंड्रीवाल बनाकर की जा रही अवैध प्लाटिंग को चिह्नित किया। प्रशासन की टीम ने जेसीबी की मदद से मौके पर पहुंचकर अवैध प्लॉटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। उपजिलाधिकारी अपर्णा ढौंडियाल ने बताया कि शनिवार को बिना स्वीकृत ले–आउट के अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। 25 बीघा अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त करने के अलावा दो बीघा अतिक्रमण करने वाले एक व्यक्ति को जमीन संबंधित दस्तावेज लाने के निर्देश दिए है।

डोईवाला महाविद्यालय में अध्यक्ष और सचिव पद पर त्रिकोणीय मुकाबला

डोईवाला। शहीद दुर्गामल्ल पीजी कॉलेज छात्र संघ चुनाव में नामांकन करने वाले सभी 19 उम्मीदवार मैदान में डटे हुए है। डोईवाला महाविद्यालय में त्रिकोणीय मुकाबले में एबीवीपी , एनएसयूआई और यूएसएफ के प्रत्याशी है। कुछ सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार भी ताल ठोंक रहे है। नामांकन वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद कॉलेज प्रशासन की ओर से वैध प्रत्याशियों की सूची चस्पा कर दी गई है।डोईवाला महाविद्यालय छात्र संघ चुनाव के लिए शनिवार को नाम वापसी का दिन था। कॉलेज प्राचार्य डॉ देवेश प्रसाद भट्ट ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए वंश खत्री, दीपक नौटियाल और मोहित ममगाईं, उपाध्यक्ष पद पर जयदीप, जितेंद्र सिंह रावत, रोहन पाल और सूरज सिंह मेहर, सचिव पर आयुष कृषाली, हिमांशु नेगी, प्रिंस नेगी , सह सचिव पद पर आंचल, वंदना और वंशिका, कोषाध्यक्ष पद पर पलक, शालिनी और सृष्टि के अलावा विवि प्रतिनिधि पद पर अतुल सिंह, हिमांशी नेगी, प्रियांशु कृषाली मैदान में है। छात्र संघ चुनाव के लिए मतदान 29 सितंबर को कराया जाएगा। इसके लिए तैयारियां तेज हो गई है।

खराब मौसम से देहरादून एयरपोर्ट पर हवाई यातायात प्रभावित

जौलीग्रांट। खराब मौसम के कारण देहरादून एयरपोर्ट पर मंगलवार को सुबह से शाम तक हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। सुबह से दोपहर तक दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद से केवल तीन उड़ानें ही एयरपोर्ट पहुंच सकीं। खराब मौसम के चलते तीन उड़ानों को दिल्ली डायवर्ट किया गया, जबकि एक उड़ान रद्द करनी पड़ी। कई अन्य उड़ानों के समय में भी बदलाव किया गया।एयर इंडिया की मुंबई से देहरादून आने वाली उड़ान को सुबह 9:55 बजे के बजाय खराब मौसम के कारण दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। वहीं, सुबह 10:20 बजे पहुंचने वाली एयर इंडिया की दिल्ली उड़ान ने आसमान में कई चक्कर लगाने के बाद दिल्ली का रुख किया। दोपहर 12:20 बजे आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली उड़ान रद्द कर दी गई।

लगातार बारिश से चप्पू पड़े ठंडे

ढालवाला। गंगा की लहरों से टकराने का इंतजार कर रहे साहसिक पर्यटन प्रेमियों को एक बार फिर मायूस होना पड़ा। मूसलाधार बारिश का दौर थमते ही राफ्टिंग के चप्पू चलने शुरू हुए थे लेकिन महज दो दिन के भीतर ही गंगा नदी के तेवरों ने इस रोमांच पर दोबारा ब्रेक लगा दिया। पर्वतीय और मैदानी इलाकों में शनिवार सुबह से लगातार हो रही झमाझम बारिश के कारण गंगा के जलस्तर और बहाव में आई अचानक तेजी को देखते हुए प्रशासन ने राफ्टिंग गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है।

सीएम धामी ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति–2026 का किया विमोचन

देहरादून, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद तथा विभिन्न वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति–2026 का विमोचन किया। साथ ही ग्रॉस एनवायरनमेंट प्रोडक्ट (ॅएढ) से संबंधित तकनीकी रिपोर्ट वर्ष 2023–24 एवं वित्तीय वर्ष 2024–25 का भी विमोचन किया गया।

बैठक में ॅएढ की तकनीकी रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने नीति में कार्बन क्रेडिट को शामिल करने तथा वाटर हार्वेस्टिंग को आम नागरिकों के लिए सरल एवं सहज बनाने के निर्देश दिए।

प्राकृतिक संसाधनों के आर्थिक मूल्यांकन पर मंथन

बैठक में ॅएढ तकनीकी रिपोर्ट के माध्यम से उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरणीय सेवाओं के आर्थिक मूल्यांकन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श किया गया। वन, जल, जैव विविधता, मिट्टी संरक्षण, कार्बन अवशोषण सहित अन्य पर्यावरणीय सेवाओं के वैज्ञानिक एवं आर्थिक आकलन की संभावनाओं पर विशेषज्ञों ने अपने सुझाव रखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ॅएढ के माध्यम से राज्य की प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय संपदा के योगदान का वैज्ञानिक एवं आर्थिक मूल्यांकन किया जा सकता है। इससे पर्यावरणीय संसाधनों के महत्व को समझने और विकास योजनाओं एवं नीतियों में उनके योगदान को प्रभावी रूप से शामिल करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की भौगोलिक एवं पर्यावरणीय परिस्थितियां विशिष्ट हैं। इसलिए राज्य के लिए ॅएढ का ऐसा मॉडल विकसित किया जाना चाहिए, जो स्थानीय परिस्थितियों, आवश्यकताओं और संसाधनों के अनुरूप हो।

नीति में कार्बन क्रेडिट को शामिल करने के निर्देश

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड की विशिष्ट भौगोलिक एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में प्रभावी प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्तराखण्ड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति–2026 में कार्बन क्रेडिट को भी शामिल किया जाए।

उन्होंने कहा कि कार्बन अवशोषण, वन संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरणीय सेवाओं से जुड़े प्रयासों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी आधार प्रदान करने की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय, वन, जल स्रोत, नदियां, जैव विविधता और अन्य प्राकृतिक संसाधन उत्तराखण्ड की महत्वपूर्ण ताकत हैं। इनका संरक्षण पर्यावरणीय संतुलन के साथ–साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था, आजीविका और सतत विकास के लिए भी आवश्यक है।

14.50 ग्राम स्मैक के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

ऋषिकेश। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दून पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। कोतवाली ऋषिकेश पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 5 लाख रुपये कीमत की 435 ग्राम अवैध चरस और 14.50 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ अलग–अलग थानों में मादक पदार्थों, अवैध शराब तस्करी सहित अन्य अपराधों के 51 अभियोग दर्ज हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर जनपद में मादक पदार्थों और अवैध शराब की तस्करी में लिप्त आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 25 सितंबर 2026 को कोतवाली ऋषिकेश पुलिस द्वारा चौकी श्यामपुर क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी।

पुलिस के मुताबिक जंगलात रोड, गुज्जर प्लॉट क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर जंगल की ओर जाने लगा। संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम ने पीछा कर उसे रोक लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 435 ग्राम चरस, 14.50 ग्राम स्मैक, दो मोबाइल फोन और 1,900 रुपये नकद बरामद हुए।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरुचरण सिंह उर्फ मुन्ना (57 वर्ष), पुत्र स्व. सुभाष, निवासी गली नंबर 19, चंद्रेश्वर नगर, ऋषिकेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गुरुचरण सिंह कोतवाली ऋषिकेश का हिस्ट्रीशीटर है और पूर्व में भी मादक पदार्थों तथा अवैध शराब की तस्करी के मामलों में जेल जा चुका है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली ऋषिकेश में मु0अ0सं0 487/2026, धारा 8/20/21/27(ए)/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पूछताछ में दो अन्य नाम सामने आए

पुलिस के अनुसार पूछताछ में मादक पदार्थों की तस्करी में शांति देवी पत्नी गुरुचरण सिंह और सौरभ बत्रा, जो गुरुचरण सिंह का दामाद बताया गया है, की संलिप्तता भी प्रकाश में आई है। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

शहर कांग्रेस की नई कार्यकारिणी घोषित

नई टिहरी। लंबे इंतजार के बाद शहर कांग्रेस कमेटी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने 72 पदाधिकारियों को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी देते हुए नए पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई।नवनियुक्त पदाधिकारियों के स्वागत में बौराड़ी में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। नई कार्यकारिणी में संतोष आर्य, दिनेश पंवार, बीर सिंह गुनसोला, गब्बर सिंह रावत और नीमा नेगी को उपाध्यक्ष बनाया गया। विरेंद्र नेगी, शैलेंद्र कांत, वीरेंद्र दत्त, अमित राणा, परशुराम नौटियाल, रितु भूषण, मनीष पंत, मोहिना राणा, राजेंद्र पैन्यूली, धनबीर, दिनेश पंवार, कुसुम भट्ट, प्रमोद राजवार, अनीशा खान और अनुपम भट्ट को मंडल महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। मनोज रावत को प्रचार–प्रसार प्रभारी, अमित भंडारी और संगीता सेमवाल को प्रवक्ता, सतीश चमोली कोषाध्यक्ष, इमरान खान को कार्यालय प्रभारी बनाया गया। पार्टी नेताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को कांग्रेस की नीतियों और रीति–नीति की जानकारी देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया गया। कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय रहने की अपील की।

मौहब्बेवाला ब्लैक स्पॉट पर हादसों की रोकथाम को तैनात रहेगी टास्क फोर्स

देहरादून, दिल्ली–देहरादून हाईवे स्थित मौहब्बेवाला ब्लैक स्पॉट पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए धर्मपुर विधायक विनोद चमोली एवं जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने शनिवार को क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने दुर्घटनाओं के कारणों और उनके स्थायी समाधान को लेकर मौके पर विस्तृत चर्चा की। विधायक एवं डीएम ने क्षेत्रवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। निरीक्षण के दौरान मौहब्बेवाला ब्लैक स्पॉट पर होने वाली दुर्घटनाओं में ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग को प्रमुख कारक बताया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इन दोनों कारणों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए तत्काल ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

247 पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने दुर्घटना संभावित क्षेत्र में प्रभावी निगरानी के लिए अधिकारियों की टास्क फोर्स तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत टास्क फोर्स की तैनाती की जाएगी और क्षेत्र में दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होने तक यह सक्रिय रूप से कार्य करेगी।

पुलिस एवं परिवहन विभाग को क्षेत्र में 247 नियमित पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से भारी एवं लोडिंग वाहनों की ओवरलोडिंग की जांच करने के साथ वाहन चालकों को ओवरस्पीडिंग और यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने को कहा गया है।

ब्लैक स्पॉट से पहले बनेगा चेक पोस्ट

डीएम ने दुर्घटना स्थल से पहले चेक पोस्ट स्थापित कर वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश दिए। इसके अलावा चेक पोस्ट के आगे यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए राउंडअबाउट सहित आवश्यक ट्रैफिक मैनेजमेंट व्यवस्था विकसित करने और बड़े एवं भारी वाहनों को सुरक्षित तरीके से निर्धारित मार्ग से निकालने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

भारत को एक दिन में कबड्डी के दो गोल्ड

एशियन गेम्स में महिला और पुरुष टीमें चैंपियन, दोनों ने फाइनल में ईरान को हराया

नागोया (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में एक ही दिन कबड्डी के दोनों गोल्ड जीत लिए। महिला टीम ने फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी ईरान को 40-34 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। शनिवार को पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में लगातार 10वीं बार मेडल जीता। महिला टीम ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल हासिल किया।

ईरान ने पहले हाफ के आखिर में बढ़त बना ली और ब्रेक तक स्कोर 18-17 उसके पक्ष में था। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी ईरान ने दबाव बनाए रखा, लेकिन भारत ने धीरे-धीरे मैच का रुख बदल दिया। सुमित ने डिफेंस में लगातार अहम टैकल किए, जबकि अर्जुन देशवाल ने रेडिंग में अंक जुटाए। भारत ने 21-21 की बराबरी के बाद बढ़त बनानी शुरू की।आखिर में भारत ने 40-34 से जीत दर्ज कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया।

महिला टीम ने भी ईरान को हराया

महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता था। भारत ने मुकाबले में कई मौकों पर बढ़त बनाई, लेकिन ईरान ने वापसी की कोशिश जारी रखी। आखिरी मिनटों में भारतीय डिफेंस ने बढ़त बनाए रखी और मैच 37-34 से अपने नाम किया।

पांड्या चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण 22 अक्टूबर से शुरु हो रहे न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी का बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है। पांड्या के बाहर होने से टीम संयोजन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। प्राप्त मिली जानकारी के अनुसार, हार्दिक को ट्रेनिंग के दौरान दाहिनी पिंडली में चोट लगी थी। बीसीसीआई के अनुसार ताजा स्कैन में इस चोट की पुष्टि हुई है इसके कारण उन्हें कम से कम दो सप्ताह के पूर्ण आराम की सलाह दी गई है। बीसीसीआई की मेडिकल पैनल के प्रमुख, डॉक्टर दिनशॉ परदीवाला ने उनकी रिपोर्ट का आंकलन करते हुए कहा है कि अब वह रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम में भाग लेंगे।

इस ऑलराउंडर को ये चोट ऐसे समय आई है जब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे थे। उन्हें न्यूजीलैंड दौरे से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ छह अक्टूबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया था, जिससे उनकी वापसी की उम्मीदें जग गई थीं। हालांकि, अब न्यूजीलैंड का दौरा इस ऑलराउंडर के बिना ही होगा। है।

गौरतलब है कि पंड्या लगातार चोट से जूझ रहे हैं, जिसने उनके अंतरराष्ट्रीय करियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। उन्हें एशियाई खेलों के लिए भी भेजा जाना था पर अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से ठीक पहले फील्डिंग अभ्यास के दौरान उनके घुटने में दर्द उठा, जिसके बाद से ही वह मैदान से बाहर है। ताजा स्कैन में पिंडली की चोट का पता चला जिससे अब वह उबर रहे हैं। मार्च 2023 में अंतिम बार किसी भी फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए मैदान पर उतरने के बाद से से हार्दिक चोटों के कारण लगातार खेल से बाहर रहे हैं।

भारतीय एथलीट सावन ने मैराथन में रजत जीतकर बनाया रिकार्ड

-चार दशक के बाद इस स्पर्धा में पदक मिला

आइची (एजेंसी)। यहां जारी एशियाई खेलों में भारतीय एथलीट सावन बरवाल ने मैराथन दौड़ में पदक जीतने के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाया है। इस स्पर्धा में सावन ने 2 घंटे 11 मिनट 36 सेकंड का समय निकालते हुए रजत पदक जीता। यह न केवल उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाता है, बल्कि इससे 44 साल के लंबे इंतजार के बाद भारत को मैराथन में पहला पदक मिला है। इससे पहले 1982 में भारत ने मैराथन में पदक जीता था। सावन ने 2:11:36 का सबसे कम समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। इसी साल रॉटरडैम मैराथन में उन्होंने 2 घंटे 12 मिनट से कम समय में दौड़ पूरी कर शिवनाथ सिंह के 48 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था। यह सावन के करियर की केवल दूसरी मैराथन थी पर उन्होंने जापान के इचिताका यामाशिता के बाद दूसरा स्थान हासिल कर सभी को हैरान कर दिया।

एशियाई खेल 2026: निशानेबाजी में तिलोत्तमा , विदर्सा और आशी ने रजत पदक जीता

-50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस टीम स्पर्धा

नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला निशानेबाजों तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विनोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने यहां जारी एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता है। तिलोत्तमा, विदर्सा और आशी ने इस सफलता के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक और पदक जोड़ा है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही, तिलोत्तमा सेन और विदर्सा विनोद ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी प्रवेश किया है।

भारतीय निशानेबाज टीम ने कुल 1763 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में चीन ने 1773 अंकों के साथ ही नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता। भारतीय तिकड़ी पूरे क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान अपने प्रदर्शन से छायी रही। अलग-अलग पोजीशन में उनके द्वारा बनाए गए संयुक्त स्कोर से टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। शुरुआती चरणों में तिलोत्तमा और आशी सबसे आगे के निशानेबाजों में शामिल थीं, वहीं विदर्सा ने मुश्किल शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो, विश्व में 107वीं रैंकिंग पर कायम तिलोत्तमा सेन ने कुल 590 अंक लेकर क्वालिफिकेशन में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी निरंतरता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए नीलिंग और प्रोन चरणों के बाद शीर्ष तीन में जगह बनाई। वहीं, विदर्सा विनोद ने 588 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में अपनी जगह बनायी। इसके अलावा आशी चौकसी ने भी टीम के लिए 585 अंक हासिल किये। ये टीम के रजत पदक जीतने में निर्णायक साबित हुए।

गौरतलब है कि क्वालिफिकेशन प्रारूप के अनुसार, निशानेबाजों को नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग प्रत्येक पोजीशन में 20-20 शॉट लगाने होते हैं। तीनों खिलाड़ियों के संयुक्त स्कोर से टीम पदक तय होता है, जबकि व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंचते हैं, जिसमें प्रत्येक देश से अधिकतम दो निशानेबाजों को ही क्वालिफाई करने की अनुमति होती है। व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में चीन की हान जियायू 594 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं, जबकि तिलोत्तमा के 590 अंकों ने उन्हें तीसरे स्थान पर रखा। टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने के बाद, अब सभी की निगाहें तिलोत्तमा और विदर्सा के व्यक्तिगत फाइनल पर टिकी हैं, जहां वे देश के लिए एक और पदक जीतने का प्रयास करेंगी।

एशियाई खेलों में गुलवीर ने रजत पदक जीता

आइची । भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियाई खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता है। गुलवीर ने 28:29.38 का समय निकालकर पोडियम पर अपनी जगह पक्की करने के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक रजत और जोड़ दिया। गुलवीर ने पिछले एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पिछले संस्करण में उन्होंने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में गुलवीर ने 28:29.38 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक बहरीन के बिरहानु बालेव ने 28:27.51 के समय के साथ जीता, जबकि अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता।

एशियाई खेलों में वैभव को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय : कैफ

-तिलक और शिवम को बाहर बैठा सकता है टीम प्रबंधन

मुम्बई । भारतीय टीम 28 सितंबर से एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरु करेगी। भारतीय टीम को रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गयी है। वहीं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि इन खेलों में भारतीय टीम उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को जरुर अवसर देगी। इसके लिए भले ही उसे तिलका वर्मा या शिवम दूबे के बाहर बिठाना पड़े। कैफ ने टीम संयोजन को लेकर दिये बयान में कहा है युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लंबे समय तक अंतिम ग्यारह से बाहर नहीं रखा जा सकता। साथ ही कहा कि उन्हें टीम में जगह देने के लिए तिलक या शिवम जैसे खिलाड़ियों को भी बाहर किया जा सकता है। कैफ के अनुसार वैभव ने अब तक अपने करियर में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए टीम प्रबंधन के लिए उन्हें लंबे समय तक बाहर रखना असंभव होगा। कैफ के अनुसार, टीम प्रबंधन का ध्यान इस बात पर नहीं होना चाहिए कि वैभव सूर्यवंशी के लिए अंतिम इलेवन में जगह है या नहीं, बल्कि इस पर होना चाहिए कि उन्हें टीम में कैसे फिट किया जाए। कैफ का मानना है कि इस बल्लेबाज को अंतिम ग्याहर में शामिल करने से भारतीय टीम को ही फायदा होगा। उन्होंने अगले छह महीनों में एक ऐसे संयोजनप की संभावना जताई जिसमें वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा तीनों एक साथ भारतीय टीम का हिस्सा हों। कैफ ने कहा कि अगर टीम प्रबंधन इस उभरते हुए खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो तिलक या शिवम में से किसी एक की जगह पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि तिलक भले ही टीम के उप-कप्तान हों, भारतीय क्रिकेट में ऐसा कोई नियम नहीं है कि उप-कप्तान को अंतिम ग्याहर से बाहर नहीं किया जा सकता। टीम की जरूरत के हिसाब से यह फैसला लिया जा सकता है। वहीं, शिवम दुबे को लेकर कैफ का कहना था कि उनका उपयोग मुख्य रूप से बल्लेबाज के तौर पर हो रहा है, उनसे ज्यादा गेंदबाजी नहीं कराई जा रही और फील्डिंग भी उनकी कमजोर है। ऐसे में वैभव के लिए जगह बनाने की स्थिति में शिवम को बाहर बैठना पड़ सकता है।

अगले माह अज़रबैजान में खेला जाएगा पहला फीफा अंडर-15 विश्व कप फुटबॉल

भारतीय टीम भी भाग लेगी

बाकू (एजेंसी)। विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अज़रबैजान के बाकू में अगले माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप और फेस्टिवल अज़रबैजान 2026 में खेलती दिखेगी। इसमें कुल 191 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम ग्रुप के में रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर के बीच लाओस, कैमरून, ग्रेनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेग। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रेनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा। ,

इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं। ये 32 अलग-अलग ग्रुपों में बंटी हुई हैं। छह दिनों तक चलने वाले इस विशाल आयोजन में 20 पिचों पर कुल 943 रोमांचक मैच खेले जाएंगे। मैच 8वी8 (आठ बनाम आठ) फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जिसमें 20-20 मिनट के दो हाफ होंगे और बीच में पांच मिनट का हाफ-टाइम ब्रेक होगा। पिच का आकार 68 मीटर गुणा 50 मीटर निर्धारित किया गया है, और पूरे मैच के दौरान रोलिंग सब्स्टिट्यूशन (लगातार खिलाड़ी बदलने की अनुमति) की सुविधा होगी, जिससे कोच अपनी रणनीति में लचीलापन रख सकेंगे और खिलाड़ियों को अधिकतम अवसर दे पाएंगे।। भारतीय दल 22 अक्टूबर को बाकू पहुंचेगा, जिसके बाद 23 अक्टूबर को आधिकारिक प्रशिक्षण सत्र होगा, जहां टीम अपनी रणनीति को अंतिम रूप देगी। योग्यता दौर 24 से 26 अक्टूबर तक चलेगा। 27 अक्टूबर को खिलाड़ियों को आराम का दिन मिलेगा, जिसके बाद टूर्नामेंट चरण 28 और 29 अक्टूबर को होगा। इस उद्घाटन समारोह का समापन 30 अक्टूबर को टियर फाइनल के साथ होगा, जहाँ युवा फुटबॉलरों का यह महाकुंभ अपने चरम पर पहुंचेगा।

अभी संन्यास नहीं लेंगे रोनाल्डो, पुर्तगाल के लिए खेलते रहेंगे

लिस्बन । फीफ विश्वकप फुटबॉल में पुर्तगाल टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही अटकलें लगायी जा रही थीं कि टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब किसी भी समय संन्यास ले सकते हैं पर रोनाल्डो ने इससे इंकार किया है। इस फुटबॉलर का कहना है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई ईरादा नहीं है।

साथ ही कहा कि वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक मैदान पर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रोनाल्डो ने हालांकि माना है कि विश्व कप में टीम की हार के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बारे में गंभीरता से सोचा था, पर अब उनका पूरा ध्यान आगामी मुकाबलों में पुर्तगाल को जीत दिलाने और टीम के लक्ष्यों को हासिल करने पर केंद्रित है।रोनाल्डो ने बताया कि विश्व कप के अंतिम-16 में स्पेन के खिलाफ मिली हार के बाद उनके मन में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, हां, मैंने ऐसा सोचा था। मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। हालांकि, अब उन्होंने इस पर अंतिम निर्णय ले लिया है और अपने देश के लिए खेलना जारी रखने का संकल्प लिया है।

इस 39 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने बताया कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में देश के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और अपने पूर्व क्लब अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस से विस्तार से बातचीत के बाद फैसला किया है। जीसस, जिन्होंने हाल ही में मई में अल-नासर को सऊदी लीग का प्रतिष्ठित खिताब दिलाया था और रोनाल्डो की क्षमताओं से भली-भांति परिचित हैं, ने भी इस चर्चा में भाग लिया। रोनाल्डो ने कहा, मुझे अब भी पूरा विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम की मदद कर सकता हूं और उसे उसके निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा सकता हूं। मैं तब ही संन्यास लूंगा, जब मुझे यह महसूस होगा कि मैं टीम के लिए अब कुछ भी कर पाने में सक्षम नहीं हूं।अपने करियर में 1,000 गोल पूरे करने के बेहद करीब पहुंच चुके रोनाल्डो ने आगे कहा कि भले ही टीम में एक नई और युवा पीढ़ी का उदय हो रहा है, लेकिन उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात मैदान पर उतरकर अपना शत-प्रतिशत देना, गोल दागना और अपनी टीम को मैच जिताने में हर संभव मदद करना है। वह 2025 में नेशंस लीग का खिताब दिलाने में भी अपनी अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

महिला क्रिकेटर फातिमा अब बाबर आजम से भी आगे निकली: वसीम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद वसीम ने महिला क्रिकेट टीम के कप्तान फातिमा सना की जमकर तारीफ की है। वसीम ने कहा कि आज के समय में फातिमा पुरुष टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम से भी बेहतर है। साथ ही कहा कि अपने प्रदर्शन से उसने लोकप्रियता में बाकर को भी पीछे छोड़ दिया है। महिला टीम के कोच रहे वसीम ने कहा कि अगर क्रिकेट को गहराई से समझने वाले और जानकार दर्शकों के बीच फातिमा और बाबर की तुलना की जाए, तो फातिमा कहीं आगे खड़ी नज़र आती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या बाबर पुरुष टीम में फातिमा के समकक्ष हैं, तो वसीम ने बिना किसी झिझक के फातिमा को इन सबसे ऊपर रखा। उन्होंने इस बात पर गर्व और दुख दोनों जताया कि फातिमा कई बार असाधारण प्रदर्शन करने के बावजूद हारने वाली टीम का हिस्सा बन जाती हैं। वसीम ने बताया कि हाल ही में उन्होंने एक टीवी एंकर को फातिमा को पाकिस्तान का सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर बताते हुए सुना था, और वह इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।

मोहम्मद वसीम के अनुसार, लोकप्रियता केवल नाम या पहचान से नहीं मिलती, बल्कि निरंतर और प्रभावी प्रदर्शन से बनती है। उन्होंने कहा कि फातिमा बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, और अब जब पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ देखा जा रहा है, तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी उनकी खूब तारीफ होती है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के पुरुष क्रिकेट के कई बड़े नामों को मौजूदा समय में इस तरह की लगातार प्रशंसा नहीं मिल रही है, जिसके पीछे उनका मौजूदा प्रदर्शन भी एक बड़ी वजह है।

गौरतलब है कि फातिमा सना पाकिस्तान महिला टीम की कप्तान हैं और उन्हें दुनिया की बेहतरीन महिला हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है। उन्होंने अब तक 134 एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 157 विकेट अपने नाम किए हैं, जबकि निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए 1500 से ज्यादा रन भी बनाए हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तान महिला टीम को बड़े टूर्नामेंटों में भले ही लगातार सफलता न मिली हो, लेकिन फातिमा अपने गेंद और बल्ले दोनों से कई मौकों पर टीम के लिए सबसे प्रभावी खिलाड़ियों में से एक रही हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में रिकार्ड बना सकते हैं विराट और जडेजा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को यहां होने पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में तीन बड़े रिकार्ड टूटने की संभावना है। इस मैच में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रवींद्र जडेजा बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। एकदिवसीय इतिहास में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली ने लगाए हैं। उनके नाम 41 पारियों में 9 शतक हैं। वहीं 5 शतक के साथ बाबर आजम दूसरे स्थान पर हैं। अगर विराट पहले एकदिवसीय में 100 रन बना लेते हैं, तो वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच आज तक 142 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं। दोनों देशों के आंकड़ों को मिलाकर देखा जाए, तो सबसे ज्यादा विकेट रवींद्र जडेजा और कोर्टनी वॉल्श ने लिए हैं। दोनों अभी 44 विकेट के साथ बराबरी पर हैं। ऐसे में जडेजा पहले एकदिवसीय मैच में एक विकेट लेते ही इस इंडीज टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। जडेजा इसी सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 50 एकदिवसीय विकेट पूरे करने वाले सबसे पहले भारतीय गेंदबाज बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 6 विकेट की जरुरत है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में कुल 20 खिलाड़ी 2000 या उससे ज्यादा चौके लगा चुके हैं। इसमें पांच भारतीय भी शामिली है। ऐसे में अगर रोहि इस सीरीज में 18 चौके और लगाने में सफल होते हैं तो 2000 चौके लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित ने अभी तक 1982 चौके लगाये हैं।

स्क्वाश में जोशना और सेंथिलकुमार ने कांस्य जीता

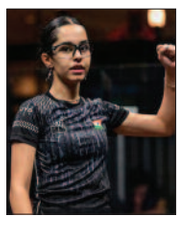

नगोया। भारत की जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार की जोड़ी को एशियाई खेलों के मिश्रित युगल स्क्वाश के सेमीफाइनल में हांगकांग के तांग मिंग हांग और ली का यी से हारने के बाद कांस्य पदक ही मिल पाया। जोशना और सेंथिलकुमार की जोड़ी को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में (1-2) 10-11, 11-2, 10-11 से हार का सामना करना पड़ा है। .मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में जोशना और सेंथिलकुमार की भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में ली का यी और तांग मिंग हांग को कड़ी टक्कर दी पर अंत में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़। इसके बाद जोशना और सेंथिलकुमार ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम जीत लिया. तीसरे गेम में भी कड़ी टक्कर देखने को मिली पर अंत में हांगकांग के खिलाड़ियों ने संयम से खेलते हुए जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमिका अरिबाडो पर जीत हासिल करके सेमीफाइनल में प्रवेश कर अपना पदक पक्का किया है। जोशना का यह एशियाई खेलों में छठा पदक है।